सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 216 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 20 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बार नवापारा अभयारण्य क्षेत्र में जंगली बायसन (गौर) का ताण्डव, तीन गांवों में दहशत व्याप्त, एक अधेड़ की मौत, दो महिलाएं हुई घायल

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदा बाजार। बार नवापारा क्षेत्र में मंगलवार की सुबह जंगली बायसन (गौर) के आतंक ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी। सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच एक ही घंटे में बायसन ने तीन अलग-अलग गांवों में हमला कर एक ग्रामीण की जान ले ली, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, पहली घटना ग्राम गजराडीह में हुई, जहां 46 वर्षीय देवेंद्र साहू पिता पांडव साहू पर बायसन ने अचानक हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि, देवेंद्र सुबह अपने काम से निकले थे, तभी बायसन ने उन पर सींग से हमला कर दिया। हमले में उनके पेट पर करीब 4 से 5 इंच गहरा घाव हो गया

और वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान आज सुबह उनकी मौत हो गई। गांव में शोक की लहर है।

इसके बाद बायसन ग्राम मुरूमडीह पहुंचा, जहां उसने 36 वर्षीय पंचबाई ठाकुर पति दुलार सिंह ठाकुर पर हमला कर दिया। हमले में उनकी जांघ पर गंभीर चोट आई है। बायसन का हमला यहीं नहीं रुका और वह ग्राम रवान पहुंच गया, जहां 60 वर्षीय गायत्री यादव को निशाना बनाया। हमले में उनकी जांघ पर गहरा घाव आया है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान उनके पैर में 8 से 9 टांके लगाए गए हैं। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

एक घंटे के भीतर गजराडीह, मुरूमडीह और रवान गांव में हुए लगातार हमलों से ग्रामीणों में भारी दहशत है। लोगों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि क्षेत्र में जंगली वन्यजीवों की मौजूदगी को लेकर समय रहते कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिवार को मुआवजा और आश्रित को सहायता देने, घायल महिलाओं के बेहतर और निःशुल्क इलाज की व्यवस्था करने तथा बायसन को आबादी वाले इलाके से दूर खदेड़ने की मांग की है।

खास-खबर

बंगाल में ओबीसी आरक्षण 17 से घटकर 7 प्रतिशत हुआ

कोलकाता। 18 मई को पश्चिम बंगाल की नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई थी, जिसमें ओबीसी आरक्षण व्यवस्था में बदलाव समेत कई बड़े फैसले लिए गए थे। सरकार ने ओबीसी आरक्षण व्यवस्था में बदलाव किया है। राज्य में ओबीसी आरक्षण 17 से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। नई लिस्ट के मुताबिक अब सिर्फ 66 जातियां ओबीसी आरक्षण के दायरे में रहेंगी। धर्म आधारित वर्गीकरण की व्यवस्था भी खत्म कर दी गई है। सरकार का कहना है कि यह फैसला कलकत्ता हाईकोर्ट के 2024 के आदेश के आधार पर लिया गया है।

महिला वकीलों के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगी राय

नई दिल्ली। सरकारी कानूनी पैनलों और लॉ ऑफिसर पदों पर महिला वकीलों को 30 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा है। अदालत ने इस मामले में नोटिस जारी करते हुए सरकारों से प्रतिक्रिया तलब की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने बुधवार को इस जनहित याचिका पर सुनवाई की। यह याचिका लाडली फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से दाखिल की गई है।

सूर्यास्त्र का सफल परीक्षण, 300 किमी की मारक क्षमता

नई दिल्ली। भारतीय सेना के लिए एक खुशखबरी है। प्राइवेट सेंक्टर की कंपनी एनआईबीई लिमिटेड ने सूर्यास्त्र रॉकेट का सफल परीक्षण किया है। इसकी रेंज 150 किलोमीटर से लेकर 300 किलोमीटर है। कंपनी ने ओडिशा के आईटीआर चांदीपुर में इसका टेस्ट किया। ये परीक्षण 18 और 19 मई, 2026 को किए गए। रॉकेट की यह टेस्टिंग भारत की लंबी दूरी की रॉकेट तोपखाना और सटीक-हमला प्रणाली में कंपनी की बढ़ती भूमिका के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है।

मां का कटा हाथ लेकर पहुंचा आईटीबीपी का जवान

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक बेहद संवेदनशील और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां इंडो-तिब्बती बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) का एक जवान अपनी मां का कटा हुआ हाथ थर्माकोल बॉक्स में लेकर सीधे पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंच गया। जवान का आरोप है कि एक निजी अस्पताल की कथित लापरवाही और गलत इलाज के कारण उसकी मां का हाथ काटना पड़ा। उसने पुलिस पर आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

सड़ने लगा ट्विशा का शव, एक हफ्ते से एम्स में पड़ा

भोपाल। ट्विशा का शर्मा का शव 13 मई से भोपाल एम्स में पड़ा हुआ है। परिजन दोबारा पोस्टमार्टम की मांग कर रहे हैं। ऐसे में भोपाल पुलिस की ओर से ट्विशा के परिजनों को एक चिट्ठी लिखी गई है, जिसमें कहा गया है कि ट्विशा शर्मा का शव सड़ने लगा है। शव को ज्यादा दिन तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था भोपाल एम्स में नहीं है। ट्विशा के परिजन ससुराल के लोगों पर लगातार हत्या के आरोप लगा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद, सीएआईटी और चेम्बर का समर्थन, बंद करवाने रैली भी निकाली

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/रायपुर। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में आज देशभर में केमिस्ट संगठन हड़ताल पर हैं। छत्तीसगढ़ में करीब 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद हैं, जिनमें थोक और रिटेल दोनों दुकानें शामिल हैं। रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग में भी सुबह से मेडिकल स्टोर बंद रहे।

सरगुजा में केमिस्ट संघ ने बाइक रैली निकाली, अपोलो फार्मेसी के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी कर दुकान बंद कराई। रैली अग्रसेन चौक, जय स्तंभ चौक, महामाया चौक, संगम चौक होते हुए घड़ी चौक तक पहुंची।

संगठनों का कहना है कि ऑनलाइन कंपनियों की भारी छूट से छोटे मेडिकल स्टोर्स का कारोबार प्रभावित हो रहा है। दवा व्यापारियों के इस आंदोलन को सीएआईटी, चेंबर ऑफ कॉमर्स और कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने समर्थन दिया है।

सीएआईटी के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि यह सिर्फ दवा कारोबार का मुद्दा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों और स्थानीय बाजार को बचाने का मामला है।

भिलाई में भी बंद रही दवा दुकानें : छाया-सचिन मोरे

डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कृपलानी ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री और भारी छूट की वजह से स्थानीय मेडिकल स्टोर्स का कारोबार प्रभावित हो रहा है। इससे छोटे व्यापारियों पर संकट बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने भी दवा व्यापारियों की हड़ताल का समर्थन किया है। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि बड़ी ऑनलाइन और विदेशी कंपनियां भारी छूट देकर स्थानीय दवा कारोबार को नुकसान पहुंचा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ दवा व्यापारियों की नहीं, बल्कि छोटे कारोबारियों की भी है। कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि स्थानीय व्यापारियों और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखकर फैसले लिए जाएं।

मुस्तैद रहा प्रशासन

देशभर में चल रही हड़ताल को देखते हुए छत्तीसगढ़ खाद्य एवं औषधि प्रशासन अलर्ट है। मरीजों को दवाओं की कमी न हो, इसके लिए राज्यभर में जरूरी दवाएं और मेडिकल सामान उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने कहा है कि सरकारी जनऔषधि केंद्रों, धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स, सरकारी अस्पतालों, नर्सिंग होम और अन्य मेडिकल स्टोर्स के जरिए लोगों को जरूरी दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन से भी अपील की है कि हड़ताल के दौरान मरीजों को जरूरी दवाएं मिलती रहें इसकी व्यवस्था की जाए। हालांकि प्रेस्क्रिप्शन की दवाओं के लिए लोग भटकते देखे गए।

मरीजों से भी अपील

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घबराकर ज्यादा दवाइयां जमा न करें। रोजाना दवा लेने वाले लोग जरूरत की दवाएं पहले से रख सकते हैं। जरूरत पड़ने पर सरकारी अस्पतालों, जनऔषधि केंद्रों और मेडिकल स्टोर्स में दवाइयां उपलब्ध रहेंगी।

रायपुर के बाद अब दुर्ग और बिलासपुर में भी पुलिस कमिश्नरेट : विजय शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बाद दुर्ग, बिलासपुर में पुलिस कमिश्नरेट लागू होगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि, रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट अच्छा काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, दुर्ग और बिलासपुर में भी पुलिस कमिश्नरेट की आवश्यकता है। पिछले दिनों धरमलाल कौशिक के मोबाइल लूट में रायपुर कमिश्नरेट ने अच्छा काम किया और पांच घंटे में मोबाइल वापस दिलाया गया। ऐसे में रायपुर के बाद दुर्ग, बिलासपुर में पुलिस कमिश्नरेट लागू होगा। पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू हो जाने पर आपातकालीन स्थिति, दंगों या विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस को लाठीचार्ज, आंसू गैस या कर्फ्यू लगाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की अनुमति का इंतजार नहीं करना पड़ता। पुलिस कमिश्नर खुद मौके पर ही तुरंत फैसला ले सकते हैं। सामान्य व्यवस्था में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच तालमेल में देरी होती है। इस प्रणाली में 'एकल कमान' होने से जवाबदेही तय होती है और भ्रम की स्थिति खत्म होती है।

तेज रफ्तार पिकअप ने गश्ती पुलिस कर्मियों को रौंदा, हेड कांस्टेबल की मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। शहर में बुधवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रात्रि गश्त के दौरान एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने पुलिसकर्मियों की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कोतवाली थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक विजय बैरागी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद नगर सैनिक दिलीप पांडे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल नगर सैनिक को नाजुक हालत में रायपुर रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 3:30 बजे प्रधान आरक्षक विजय बैरागी और नगर सैनिक दिलीप पांडे अपनी सरकारी ड्यूटी के तहत रात्रि गश्त पर थे। जैसे ही वे सिहावा चौक के पास 'संजय आर्ट्स' के समीप पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के वक्त मोटरसाइकिल नगर सैनिक दिलीप पांडे चला रहे थे। उनकी भी हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप चालक बाइक को करीब 100 मीटर की दूरी तक घसीटते हुए ले गया। इस दर्दनाक टक्कर के कारण प्रधान आरक्षक विजय बैरागी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

हाईकोर्ट हुआ ऑनलाइन, वीडियो कांफ्रेंसिंग पर सुनवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वर्ष 2026 के ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान न्यायिक कार्यों के संचालन को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। छुट्टियों के दौरान अधिकांश मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी। 50 प्रतिशत कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे।

नई व्यवस्था के अनुसार वकील और पक्षकार ऑनलाइन अदालत की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे। यदि किसी अधिवक्ता को तकनीकी या अन्य अपरिहार्य कारणों से वर्चुअल माध्यम से जुड़ने में परेशानी होती है, तो उन्हें अदालत में व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होने की अनुमति भी दी गई है। अदालत यदि किसी मामले को महत्वपूर्ण मानती है, तो उसकी

सुनवाई फिजिकल मोड पर कराई जा सकेगी।

हाईकोर्ट द्वारा जारी निर्देशों में न्यायपालिका से जुड़े कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की सुविधा भी शामिल की गई है। अधिकारी अपने मातहतों को सप्ताह में अधिकतम दो दिन घर से काम करने की अनुमति दे सकेंगे। हालांकि यह सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा कि हर समय कम से कम 50 प्रतिशत कर्मचारी कार्यालय में मौजूद रहें, ताकि प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से चलते रहें।

वर्क फ्रॉम होम करने वाले कर्मचारियों को फोन पर उपलब्ध रहना होगा। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है कि घर से काम करने के बावजूद आवश्यक कार्यों में किसी तरह की बाधा न आए।

सर्कुलर में ईंधन की बचत और संसाधनों के बेहतर उपयोग को ध्यान में रखते हुए वाहन पूलिंग व्यवस्था अपनाने के निर्देश भी दिए गए हैं। न्यायिक और मंत्रालयिक अधिकारियों से कहा गया है कि वे शासकीय वाहनों का साझा उपयोग करें।

ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल सफल रहा

नई दिल्ली (ए.)। भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है।

यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के टारगेट पर सटीक हमला कर सकती है। हवा में दुश्मन के हेलिकॉप्टर, ड्रोन और दूसरे हवाई टारगेट को मार गिरा सकती है।

वहीं जमीन पर टैंक, सैन्य वाहन और बंकर को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित डीआरडीओ टेस्ट रेंज में किया गया।

इसमें इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो लॉन्च और कमांड सिस्टम को कंट्रोल करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह मिसाइल को बनाने में मिली सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है।

यूएलपीजीएम-वी3 एक स्मार्ट प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल है। इसमें सीकर तकनीक लगी है, जिससे यह टार्गेट को पहचानकर लॉक करती है और फिर सटीक हमला करती है। चलते हुए लक्ष्य को भी ट्रैक कर सकती है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसे एंटी-टैंक रोल के लिए भी तैयार किया गया है। साथ ही यह ड्रोन, हेलिकॉप्टर और दूसरे हवाई लक्ष्यों के खिलाफ भी इस्तेमाल की जा सकती है।

मिसाइल को डीआरडीओ के हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) की अगुआई में डेवलप किया गया है। इसके साथ डीआरडीओ, टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी और हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी भी इस प्रोजेक्ट में शामिल रहीं।

लापता युवती को खोजने गई पुलिस के होश उड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। कवर्धा पुलिस के हाथ एक अनूठा मामला लगा है। पुलिस को सरगुजा से लापता एक युवती की तलाश थी। युवती के इसी इलाके में हाने की सूचना मिली थी। लेकिन, जब कवर्धा पुलिस वहां पहुंची तो मामला कुछ निकला। वहां पुलिस को तीन युवतियां और युवक संदिग्ध हालात में मिले। दरअसल वहां देह व्यापार का धंधा चल रहा था।

कवर्धा सिटी कोतवाली की टीम ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। जो प्रारम्भिक जानकारी मिली उसने पुलिस के होश उड़ा दिए। पता चला कि, किरण पनागर के घर में देह व्यापार का गोरखधंधा फल-फूल रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि, मामला गुमशुदगी से जुड़ा है या इसके पीछे देह व्यापार से जुड़ा कोई बड़ा रैकेट काम कर रहा है।

आंधी तूफान के बीच बढ़ रहा तापमान, बिलासपुर में पारा 43 डिग्री के पार, पांच दिन झुलसाएगी गर्मी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों तक गर्मी और बढ़ने वाली है। मौसम विभाग ने प्रदेश के मध्य हिस्सों में अगले 5 दिनों तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में आज गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

मंगलवार शाम रायगढ़ में तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। दुर्ग-भिलाई में भी आंधी-तूफान का असर देखने को मिला, जहां तेज हवा और बारिश के दौरान एक बिजली पोल कार पर गिर गया। कई इलाकों में यहां देर रात तक बिजली गुल रही जिसके कारण लोग सड़कों पर बैठे नजर आए। रायपुर में भी शाम होते-होते आसमान में बादल छा गए, जिससे मौसम में हल्की राहत महसूस हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 4 दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि बीते 24 घंटों में तापमान में कोई बड़ा बदलाव दर्ज नहीं किया गया।

प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बिलासपुर में 43.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं नारायणपुर जिले के नांगुर में 30 मिमी बारिश दर्ज की गई।

रायगढ़ में शाम को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई। शाम को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार रायपुर में आज मौसम साफ रहेगा। शहर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

केरल में 26 मई तक पहुंच सकता है मानसून

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई के आसपास केरल पहुंचने की संभावना है। इसमें 4 दिन आगे-पीछे का अंतर हो सकता है।

संपादकीय

कोर्ट की सख्ती के मायने

जन-सुरक्षा व पशु-कल्याण के बीच हो संतुलन

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निर्देशों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दर्शाता है।

> “ नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं।

पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया,जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया। ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चर्चाओं में उजागर नहीं होती। इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया। वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता। लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है। सही मायनों में चुनौती यह भी है कि एक मानवीय, जवाबदेह और प्रभावी आवारा पशु प्रबंधन व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जो नागरिकों और कुत्तों , दोनों के हितों की रक्षा कर सके। हमेशा से ही कुत्ते की गिनती मनुष्य के वफादार साथी के रूप में की जाती रही है। सदियों से दोनों एक साथ रहे हैं। उन कारणों की भी पड़ताल की जानी चाहिए, जिनके चलते कुत्ते अचानक आक्रामक व्यवहार दिखाने लगे हैं। निश्चय ही बढ़ता तापमान बदलते मौसमों के प्रति संवेदनशील इन जीवों को बेचैन किए हुए है। भूख व आश्रय के अभाव से उपजे असुरक्षाबोध ने भी उन्हें आक्रामक बनाने में भूमिका निभायी है। ऐसे में पशु प्रेमी संगठनों और स्थानीय प्रशासन को मिलकर इस संकट का कारगर समाधान निकालना होगा। ये समाधान सिर्फ सरकार या स्थानीय निकायों के बूते होना संभव नहीं है। पशु प्रेमियों की बड़ी पहल के परिणाम बदलाव लाने में सकारात्मक भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

संधियों के टिकाऊ ढांचे से डीलमेकिंग की डगमगा डगर तक

प्रोफेसर पुरनेन्दु रंजन

दुनिया अब टिकाऊ संधियों और संस्थागत ढांचों के तहत परस्पर नहीं जुड़ी है। नियम आधारित व्यवस्था से सौदेबाजी की ओर बढ़ी है। रियलपॉलिटिक में महाशक्तियों का दोहरा खेल जारी है। आर्थिक संबंध भी व रणनीतिक शत्रुता भी। मल्टी अलाइनमेंट के इस दौर में दीर्घकालिक स्थिरता लाना जरूरी है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था संधियों और संस्थागत ढांचों पर टिकी थी। ब्रेटन वुड्स वित्तीय ढांचे से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, सब कुछ नियम-आधारित था। यह व्यवस्था आदर्शवादी थी, जहां कानून और संधियां स्थायित्व देती थीं। लेकिन आज वह ढांचा बिखर चुका है। उसकी जगह आ गई है रियलपॉलिटिक—जहां स्थायी प्रतिबद्धताओं की जगह तात्कालिक सौदेबाजी और लचीले हितों का जाल है। साल 2024-25 में यूक्रेन युद्ध, गाज़ा संकट और ताइवान पर बढ़ते तनाव ने यह साफकर दिया कि नियमों की दुनिया अब केवल कागज़ पर है।

दुनिया कठोर किलों से 'लाउंज कूटनीति' की ओर बढ़ी है। शीत युद्ध के नाटो और वारसा पैक्ट जैसी संस्थाएं कठोर थी, उनका उल्लंघन नहीं होता था। साल 1991 में सोवियत पतन के बाद उभरे जी-20, एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच जानबूझकर गैर-बाध्यकारी रखे गए। वर्ष 2024 की ब्रिक्स शिखर बैठक में सऊदी अरब और ईरान की सक्रिय भागीदारी ने दिखाया कि यह मंच अब 'आ ला कार्टे' कूटनीति का प्रतीक है। देश अपनी सुविधा से आते-जाते हैं। स्थायी प्रतिबद्धता नहीं, सुविधानुसार साझेदारी।

मौजूदा विश्व में व्यापार और युद्ध का अजीब संगम सामने है। इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लक्षण है निहित सहनशीलता। अमेरिका-चीन तनाव के बावजूद व्यापार जारी है। साल 2025 में अमेरिकी टेक कंपनियों ने चीन से 70 फीसदी से अधिक रेयर अर्थ एलिमेंट्स आयात किए, जबकि वाशिंगटन बीजिंग को 'रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी' कहता रहा। पुरानी दुनिया में यह आत्मघाती होता, पर आज इसे आवश्यक लागत माना जाता है। यह विरोधाभास बताता है कि आपसी आर्थिक संबंध और रणनीतिक शत्रुता अब एक साथ चल रही हैं।

कूटनीति अब औपचारिक संधियों से नहीं, बल्कि फोन कॉल से तय होती है। मसलन, भारत-रूस तेल व्यापार पर अमेरिका का टैरिफ-2024 में एक कॉल में 50 फीसदी से घटकर 18 फीसदी। यही दोहरा खेल अमेरिका रूस के साथ भी खेल रहा है-पुतिन से दोस्ताना संवाद और साथ ही यूक्रेन को गुप्त मदद। वर्ष 2025 में व्हाइट हाउस और क्रेमलिन के बीच हुई 'टेलीफोनिक डिप्लोमेसी' ने दिखाया कि मौखिक प्रतिबद्धताएं औपचारिक दस्तावेज़ों से अधिक प्रभावी हो गई हैं।

अमेरिका वैसे तो पाकिस्तान को आतंकवाद पर कोसता है, लेकिन 2024-25 में उसे 2.5 अरब डॉलर की सहायता भी दी। भारत को सीमित रखने का यही तरीका है। चीन को रोकने के लिए भारत जरूरी है, फिर भी पाकिस्तान को मोहरे की तरह जीवित रखा जाता है। यह दोहरा रवैया बताता है कि सिद्धांतों की जगह केवल रणनीतिक उपयोगिता बची है। मित्र और मोहरा-दोनों एक साथ। नयी वैश्विक व्यवस्था के तहत दोहरे खेल की एक और मिसाल यह कि ताइवान को 2025 में 14 अरब डॉलर का हथियार पैकेज मिला, लेकिन इसे बीजिंग से सौदेबाजी का औज़ार बताया गया। सवाल है, क्या अमेरिका सैनिकों को 9,500 मील दूर भेजेगा? जब सुरक्षा गारंटी भी सौदेबाजी का हिस्सा बन जाए, तो पुरानी लक्ष्मण रेखाएं मिट जाती हैं। यह दिखाता है कि महाशक्ति भी अब अपने वादों को लाभ-हानि के तराजू पर तौल रही है।

नया दौर मिनिलैटरलिज्म का है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो नियम-आधारित व्यवस्था का वास्तुकार था, अब खुद बहुपक्षवाद से पीछे हट चुका है। क्वाड, ऑकस और आई2यू2 जैसे छोटे, लचीले समूह उभरे हैं। साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया ने ऑकस के तहत परमाणु पनडुब्बी समझौते को आगे बढ़ाया, जबकि आई2यू2 ने खाद्य सुरक्षा पर सहयोग किया। यह 'मिनिलैटरलिज्म' बताता है कि बड़ी संधियों की जगह छोटे-छोटे गठजोड़ ही भविष्य है।

भारत इस तरल यानी निरंतर बदलते माहौल में बहु-संरेखण का उदाहरण है। यह रणनीति मल्टी अलाइनमेंट की है। भारत ब्रिक्स और एससीओ में सक्रिय है, साथ ही क्वाड का स्तंभ भी। रूस से ऐतिहासिक संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका के टैरिफ और पाकिस्तान नीति को संतुलित करता है। साल 2024-25 में भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाया, साथ ही अमेरिका से रक्षा सहयोग भी गहरा किया। यह रणनीतिक हेजिंग भारत की संप्रभुता का नया मानक है।

बीते दौर के संस्थागत किले कठोर थे, पर टिकाऊ थे। वहीं आज की निहित सहनशीलता नाजुक है- किसी गलत गणना से ढह सकती है। साल 2024 में गाज़ा युद्ध और 2025 में यूक्रेन मोर्चे पर बढ़ते तनाव ने दिखाया कि मानवीय पीड़ा अब स्वीकार्य कीमत बन गई है। नीति-निर्माताओं के लिए चुनौती अब नए किलों के निर्माण की नहीं, बल्कि इस लेन-देनवादी राजनीति को दीर्घकालिक संयम में बदलने की है।

वर्तमान सौदेबाजी की दुनिया बिना किसी निश्चित दिशा के बह रही है। संधियों की स्याही से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों के बदलते समीकरणों से संचालित हो रही है। यह व्यवस्था लचीली है, पर नाजुक भी। नीति-निर्माताओं के लिए असली चुनौती है- तात्कालिक सौदेबाजी को दीर्घकालिक स्थिरता में बदलना। जब तक यह नहीं होता, रियलपॉलिटिक का यह नया युग महाशक्तियों के दोहरे खेल और छोटे-छोटे क्लबों की राजनीति से ही परिभाषित रहेगा।

लेखक पंजाब विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में प्रोफेसर हैं।

बाल विवाह के खिलाफ छत्तीसगढ़ की निर्णायक लड़ाई

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर
उप संचालक, जनसंपर्क

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान बन रहा सामाजिक बदलाव की मिसाल

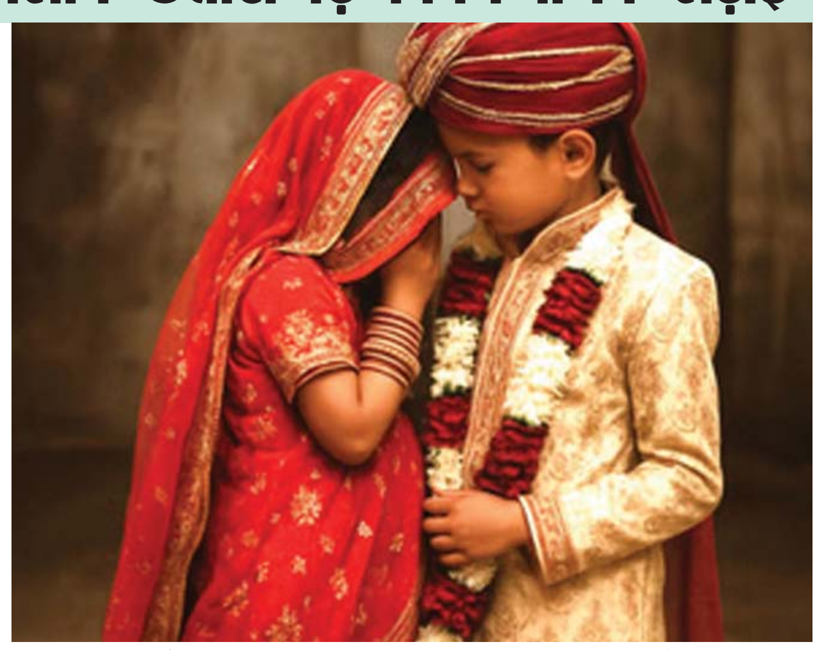

छत्तीसगढ़ में बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान को केंद्र में रखकर शुरू किया गया बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अब सामाजिक बदलाव की बड़ी मिसाल बनती जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस अभियान को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बना दिया है। गांव-गांव में जागरूकता और सामाजिक सहभागिता के जरिए बाल विवाह जैसी कुरीति पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में लगातार ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। 10 मार्च 2024 से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ बाल विवाह रोकना नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक, मितानिनें और महिला स्व-सहायता समूह लगातार जमीनी स्तर पर लोगों को जागरूक करने में जुटे हुए हैं। यही वजह है कि अभियान अब प्रशासनिक कार्यक्रम से आगे बढ़कर सामाजिक चेतना का हिस्सा बनता दिखाई दे रहा है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2028-29 तक पूरे छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। चरणबद्ध योजना के तहत 2025-26 तक 40 प्रतिशत, 2026-27 तक 60 प्रतिशत, 2027-28 तक 80 प्रतिशत और 2028-29 तक सभी ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की तैयारी है। अभियान की प्रगति भी उत्साहजनक रही है।

31 मार्च 2026 तक राज्य की 11 हजार 693 ग्राम पंचायतों में से 7 हजार 498 पंचायतें बाल विवाह मुक्त घोषित की जा चुकी हैं, जो कुल पंचायतों का लगभग 64 प्रतिशत है। वहीं 196 नगरीय निकायों में से 85 निकाय इस श्रेणी में शामिल हो चुके हैं।

राज्य के बालोद जिले ने इस दिशा में सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए खुद को पूर्णत: बाल विवाह मुक्त घोषित कराया है। प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से मिली यह सफलता अब दूसरे जिलों के लिए प्रेरणा बन रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार यह संदेश दे रहे हैं कि विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव शिक्षित और आत्मनिर्भर बेटियां ही होंगी। इसी सोच के साथ सरकार बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू कर रही है।

कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की पढ़ाई प्रभावित होती है, स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ते हैं और उनके भविष्य की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। यही कारण है कि अभियान के तहत किशोरियों और अभिभावकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है ताकि समाज में स्थायी बदलाव लाया जा सके।

पंचायत आधारित जनभागीदारी, सतत निगरानी और सामाजिक जागरूकता के प्रभावी मॉडल के कारण बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अब राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बनता जा रहा है। राज्य सरकार का यह प्रयास केवल एक सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का व्यापक संकल्प बनकर उभर रहा है।

म्यूजिक सीखना तनावपूर्ण हालात का इलाज बन सकता है

एन. रघुरामन

जॉन और उनकी पत्नी मैरी (दोनों परिवर्तित नाम) में से किसी के पास भी घर में छोटे-मोटे रिपेयर करने का कौशल नहीं था। इस रिटायर्ड कपल के पास पर्याप्त आमदनी है और घर में रिपेयरिंग को लेकर उन्हें 'मिस्टर फिक्स-इट' बनने में कोई रुचि नहीं है। लेकिन जब भी कोई छोटी समस्या आती, मसलन कोई डोर लॉक बदलना हो, टॉयलेट फ्लश काम न करे या गर्मियों में सीलिंग फैन धीमा चलता महसूस हो तो जॉन ऐसे कामचलाऊ उपाय निकालते, जिन्हें वे 'समस्या ठीक करना' कहते थे। वे मैरी से कहते, 'अगर तुम टॉयलेट हैंडल खास तरीके से हिलाओ तो दिक्कत नहीं होगी।'

समस्या की गंभीरता के मुताबिक यह कपल घंटों, दिनों या हफ्तों तक ऐसे ही काम चलाता रहता। जब मैरी को लगता कि 'अब यह काम नहीं चलेगा' तो वे किसी प्रोफेशनल को बुला लेतीं। और तब जॉन गुस्सा होकर तमाशा खड़ा कर देते। वे मैरी को भ्रमित करने की कोशिश करते कि सब ठीक है। लेकिन जॉन के विरोध के बीच ही मैरी प्रोफेशनल को बुला लेतीं, जबकि जॉन की इच्छा रहती कि मरम्मत कुछ घंटों या दिनों तक टल जाए। हालांकि, जब रिपेयर करने वाला आता तो जॉन अच्छा व्यवहार करते और काम पूरा होने पर उसे स्वीकार भी लेते। लेकिन समस्या और समाधान के बीच मैरी को बहुत एंग्जायटी और बेवजह का तमाशा झेलना पड़ता। इससे माहौल और तनावपूर्ण हो जाता।

फिर एक थेरेपिस्ट ने सुझाव दिया और दो महीने बाद मैरी की समस्या गायब हो गई, जिससे वह बीते एक दशक से जूझ रही थीं। मैरी ने थैरेपिस्ट को बताया कि स्कूली दिनों में जॉन वायलिन सीखते थे, लेकिन कुछ क्लास के बाद बंद कर दिया। 1970 के दशक में जॉन जिस क्लास में जाते थे, उसी ने 2013 में जब वयस्क, खासकर वरिष्ठजनों के लिए बैच शुरू किया तो थेरेपिस्ट ने जॉन को सूटकेस से अपना वायलिन निकालने के लिए प्रेरित किया और वह दो माह की रेजिडेंशियल क्लास के लिए चले गए। जॉन के लिए वह क्लास वैसी ही थी, जैसी 50 साल पहले होती थी।

अमेरिका में वयस्कों के लिए कई तरह के समर म्यूजिक प्रोग्राम उपलब्ध हैं। जॉन जैसे कैंपर्स के लिए ये प्रोग्राम उनकी युवावस्था के संगीत से जुड़े अनुभवों को फिर से जीने और नए सामाजिक संबंध बनाने का मौका देते हैं। भावनात्मक रूप से संगीत रचना आत्मा के लिए बेहतर होता है। इससे जॉन क्रिएटिव बने। उन्हें खुद के लिए पसंद का संगीत रचने का मौका मिला और मनोबल भी बढ़ा।

मानसिक रूप से यह रिसर्च दिखाती है कि कोई वाद्य यंत्र सीखना और बजाना दिमाग में बेहतर न्यूरोलॉजिकल कनेक्शन बनाने में मदद करता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि 'यह डिमेंशिया दूर रखने में मदद कर सकता है।

साहब अब झटकों से नहीं लगता डर

बंधु! जिसका जन्म ही झटके खाने के लिए हुआ हो, वह झटकों से भला कब तक डरे? क्यों डरे? अब जब कोई मुझे झटका देता है तो उसका वह झटका मेरे लिए परेशानी का नहीं, ऊर्जा का काम करता है। मेरा और झटकों का चोली-दामन का नाता है।

इससे पहले कि मेरे घर आज का अखबार आता उन्होंने मुझे आज की ताजा खबर 'राम! राम!' के बाद बिना रुके सुनाते कहा, 'मुबारक हो डियर! अखबार बोल रहा है कि शीघ्र ही फिर कोई झटका लगने वाला है, और पता है वह भी कितने वोल्ट का? पूरे चार सौ चालीस वोल्ट का।'

'मतलब?' मैंने सहज होते पूछा तो वे यूं बोले मानो उन्हें लगने से पहले ही चार सौ चालीस बोल्ट का झटका लग चुका हो, 'डीजल-पेट्रोल, गैस सब महंगे!'

'होने दो! महंगाई और बेवफाई को कौन रोक सकता है?' कहते हुए मैं स्थितप्रज्ञ हुआ। जिसके पास किसी से भी बचने का कोई विकल्प न हो वही स्थितप्रज्ञ होता है। फिर फीकी चाय की लंबी सांस से भी लंबी घूंट लेने के बाद मैंने उनसे कहा, 'बंधु! अब मुझे न चार सौ चालीस और न आठ सौ अस्सी बोल्ट के झटकों से कोई फर्क पड़ता है। ये मेरे सफेद बाल देख रहे हो न! ये झटके खाते-खाते ही सफेद हुए हैं। मैंने जिंदगी में कदम-कदम पर इतने-इतने वोल्ट के झटके सहन कर लिए हैं कि अब हर झटका मुझे झटका नहीं, मात्र गुदगुदी लगता है। अब तो जिस दिन मुझे कोई झटका नहीं लगता, उस दिन मेरा बीपी बढ़ जाता है।

बंधु! जिसका जन्म ही झटके खाने के लिए हुआ हो, वह झटकों से भला कब तक डरे? क्यों डरे? अब जब कोई मुझे झटका देता है तो उसका वह झटका मेरे लिए परेशानी का नहीं, ऊर्जा का काम करता है। मेरा और झटकों का चोली-दामन का नाता है। जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो परीक्षा परिणाम वाले दिन झटका खा लेता था। तब कुछ देर के लिए झटके से हिलता जरूर था, पर थोड़ी देर बाद ऐसे नार्मल हो जाता था मानो कुछ हुआ ही न हो।

पढ़ने-लिखने के बाद बेरोजगारी के झटके शुरू हुए तो वे झटके डट कर खाए। अब तो जब घर में होता हूं तो बीवी झटके देती है। बीवी के झटकों से बचने घर से बाहर जाता हूं तो दोस्त झटके देते हैं।

घर से धकियाया बाजार जाता हूं तो बाजार झटका देता है। रिश्तेदारों के बीच होता हूं तो रिश्तेदार झटके देते हैं। अब तो जब-जब पानी का खाली गिलास पानी पीने को उठाता हूं तो कंबख्त पानी का खाली गिलास भी झटका देता है।

इंडो-भूमध्यसागरीय क्षेत्र हेतु एक रणनीतिक साझेदारी

ऐसे में अब बंधु! ये चार सौ चालीस वोल्ट का झटका मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। मेरे जैसा आम आदमी इस व्यवस्था में जन्म लेता ही झटके खाने को है।' मैंने उन्हें आम आदमी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बताया तो पता नहीं क्यों वे चुप हो गए? आखिर वे भी एक आम आदमी ही हैं न!

क्या हासिल कीजिएगा पेट्रोल बचाकर

हवाई जहाज कंपनियां पेट्रोल बचाने के लिए 200 की कैपेसिटी वाले जहाज में 400 को लटका देंगी। पेट्रोल बचेगा जी, पक्का। यही तो, बात पेट्रोल बचाने की है, यात्री बचाने की नहीं।

लो जी, पेट्रोल डीजल तीन-तीन रुपये महंगे हो गए। क्रिकेट के प्रेमियों को पेट्रोल डीजल के भाव नहीं देखने चाहिए, वरना बुरे सपने आते हैं। दिल्ली में 91 पर डीजल कह रहा है कि विराट कोहली के हाइएस्ट टेस्ट स्कोर 254 का रिकॉर्ड तोड़ना है, बिना पैड और हेलमेट के। 98 पर नॉटआउट पेट्रोल कह रहा है कि वीरेंद्र सहवाग के हाइएस्ट टेस्ट स्कोर 319 का रिकॉर्ड तोड़ना है। पाकिस्तान वाले हमसे आगे हैं इस मामले में, वो ये रिकॉर्ड बहुत पहले तोड़ चुके हैं।

हवाई जहाज कंपनियां पेट्रोल बचाने के लिए 200 की कैपेसिटी वाले जहाज में 400 को लटका देंगी। पेट्रोल बचेगा जी, पक्का। यही तो, बात पेट्रोल बचाने की है, यात्री बचाने की नहीं।

आइए इंतजार करें उस इश्तिहार का जो बताएगा कि लटकिए, प्रीमियम अनलिमिटेड लेग स्पेस, बादल आपके पैर छुएंगे। पेट्रोल बचाने के शुरुआती रुझान आ रहे हैं। नेता जी साइकिल पर चल रहे हैं। यह साइकल लक्ज़री बस में चल रही है। लक्ज़री बस सड़क पर चल रही है। पर यह सब फालतू बातें हैं।

असल बात सिर्फ यह है कि नेताजी साइकिल पर चल रहे हैं और साइकिल के टायर हवा से चलते हैं। और हवाबाजी की बहुत बड़ी फैक्टरी नेताजी खुद ही हैं।

यानी साबित हुआ कि नेताजी साइकिल पर चलकर पेट्रोल बचा रहे हैं। देवदास का डायलॉग था—बाबूजी ने कहा गांव छोड़ दो, सबने कहा पारो को छोड़ दो, पारो ने कहा—शराब छोड़ दो, एक दिन आएगा जब वो कहेंगे, दुनिया ही छोड़ दो।

ट्रंप ने चीन से लौटकर कहा—चीन ने कहा ईरान छोड़ दो और ईरान ने कहा होर्मुज छोड़ दो।

अब सब कह रहे हैं—व्हाइट हाऊस छोड़ दो। देवदास अमेरिका में भी होते हैं।

जो कांड रोके न जा सकते हों, उनके फायदे सोचने चाहिए। बी पॉजिटिव। कैंसिल एग्जाम फिर होंगे, प्रिंटिंग प्रेस वालों को फिर रोज़गार मिलेगा।

सीबीआई, ईडी सबको काम, रोजगार मिलेगा।

पेपर लीक हुआ तो पता चला लोग मिल-जुलकर एक-दूसरे के हितों का ख्याल रखते हैं, एक तरफ से पेपर आता है, दूसरी तरफ से नोट आते हैं।

पेपर लीक से बने डॉक्टर के पास जो इलाज कराने जाएगा, वह भगवान का नाम सच्चे दिल से लेगा। आस्था मजबूत होगी।

अगली बार मां-बाप बच्चे से नहीं कहेंगे 'डॉक्टर बन।' कहेंगे— 'बेटा, सही कनेक्शन बना, पेपर आउट करा। इस तरह से बच्चा सही सोहबत में बैठकर एक दिन सचमुच का बड़ा आदमी बन जाएगा।

सोना बहुत परेशान था, इतने लोग खरीदने आते थे, उसने निवेदन किया कि प्लीज मत खरीदो, फिर भी लोग नहीं माने। फिर सोना अब इतना उछल गया कि कह रहा है कि औकात हो तो अब खरीदकर दिखाओ।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

बीएसपी के कोक ओवन में टॉक्सिक गैस रिसाव पर मॉक ड्रिल का आयोजन, संबंधित विभागों की रही भागीदारी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग (सीओसीसीडी) के बेंज़ोल रिकवरी प्लांट-01 में विगत दिनों में विषाक्त गैस रिसाव (गैस पॉइजनिंग) पर आधारित मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न एजेंसियों की तत्परता, समन्वय क्षमता एवं प्रतिक्रिया समय का आकलन करना था।

मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन विभाग, मुख्य चिकित्सा पोस्ट, ऊर्जा प्रबंधन विभाग, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग, पर्यावरण विभाग, एनओएचएससी, सिविल डिफेंस, सीआईएसएफ तथा कार्मिक विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन किया।

यह अभ्यास मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग) तुलाराम बेहरा के मार्गदर्शन में विभाग के विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

अधिकारियों ने गतिविधियों के समन्वय के साथ-साथ कार्यबल को विषाक्त गैस रिसाव जैसी आपात स्थितियों में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं एवं आपदा प्रतिक्रिया उपायों के प्रति जागरूक किया।

मॉक ड्रिल के उपरांत मुख्य महाप्रबंधक के कॉन्फ्रेंस हॉल में पोस्ट मॉक ड्रिल समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सहभागी एजेंसियों ने भाग लिया। इस दौरान विभाग के फर्स्ट एडर्स द्वारा पोर्टेबल ब्रीदिंग अपरेटस के माध्यम से प्रभावित व्यक्ति तक त्वरित पहुंच बनाने एवं प्राथमिक सहायता प्रदान करने की विशेष सराहना की गई।

प्रमुख खबरें

तीजन बाई के लिए भारत रत्न की मांग, सरकार से गुहार

भिलाई। पंडवानी लोकगाथा की विश्वविख्यात कलाकार और पद्मविभूषण से सम्मानित तीजन बाई को भारत रत्न देने की मांग तेज हुई है। समर्थकों का कहना है कि छत्तीसगढ़ का नाम देश-विदेश में स्थापित करने वाली यह कलाकार पांच राष्ट्रपतियों से सम्मानित रही हैं, पांच विश्वविद्यालयों से डी लिट् की मानद उपाधि पा चुकी हैं और 15 से अधिक देशों में पंडवानी की पहचान बना चुकी हैं। कला परंपरा के प्रदेशाध्यक्ष डीपी देशमुख ने राज्य और केंद्र सरकार से पहल करने का आग्रह किया। बिलासपुर की राष्ट्रीय पत्रिका अस्मिता एवं स्वभिमान के संस्थापक भुवन वर्मा ने भी इस मांग को समर्थन देते हुए सरकारी प्रयास तेज करने की अपील की।

केंद्रीय स्तर पर स्वदेशी व्यापारी मंच गठन का निर्णय

भिलाई। लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय व्यापारिक सम्मेलन में देशभर के व्यापारी संगठनों ने भाग लेकर व्यापारियों की साझा समस्याओं पर राष्ट्रीय स्तर पर ठोस मंच बनाने की जरूरत पर जोर दिया। छग चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई की टीम प्रदेश महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में सम्मेलन में शामिल हुई। कार्यक्रम में स्वदेशी व्यापारी मंच के गठन का निर्णय लिया गया, जो विभिन्न संगठनों को जोड़कर व्यापारियों की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचाने का काम करेगा। स्वदेशी जागरण मंच के संयोजक सतीश ने संगठनों से एकमत होकर प्रतिनिधित्व करने का आग्रह किया। भिलाई के सुनील मिश्रा, निरंकार सिंह, मनोहर कृष्णानी, गौरव मोंगिया, विजय मिश्रा व अन्य शामिल हुए।

लायनेस क्लब भिलाई मेन ने पंचमुखी मंदिर में बांटी प्रसादी

भिलाई। लायनेस क्लब भिलाई मेन ने स्मृति नगर स्थित पंचमुखी मंदिर परिसर में खिचड़ी और जलेबी का प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। शाम 6 बजे से शुरू हुए इस सेवा आयोजन में श्रद्धालुओं, जरूरतमंदों और आम लोगों को श्रद्धा भाव से प्रसाद बांटा गया। क्लब के अनुसार, लगभग 5000 लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक सेवा का लाभ लिया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं ने एकजुट होकर व्यवस्था संभाली और सेवा, समर्पण व सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। भक्तिमय माहौल में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरक बताया। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था समाजहित की गतिविधियों में सक्रिय रहेगी। इस अवसर पर अध्यक्ष रेवेका बेदी, सचिव नवनीत मौजूद थे।

जनगणना : अनावश्यक पूछताछ करने वाले प्रगणकों पर होगी कार्रवाई, गलत जानकारी पर होगा जुर्माना

जिले में जनगणना प्रक्रिया हेतु प्रशासन ने जारी की आवश्यक एडवायजरी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग की अधिसूचना के परिपालन में जिला प्रशासन ने आगामी जनगणना के सुचारू संचालन के लिए प्रगणकों और नागरिकों के लिए अनिवार्य गाइडलाइंस जारी की हैं। जिसके अनुसार सभी नागरिक प्रगणक द्वारा पूछे गए वैधानिक प्रश्नों का सही उत्तर देने के लिए बाध्य हैं।

स्थानीय सामाजिक परंपराओं का सम्मान करते हुए किसी भी महिला को उसके पति/ मृत पति का नाम या किसी भी नागरिक को अपने परिवार के सदस्यों का नाम बताने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। नागरिकों को अपने घरों में प्रगणकों को युक्तियुक्त प्रवेश देने और मकानों पर जनगणना के लिए आवश्यक नंबर या चिन्ह लगाने की अनुमति देनी होगी।

प्रगणकों को भी नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करने और घरेलू रूढ़ियों का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए है। प्रगणकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे वैधानिक सीमा में रहकर केवल केंद्र सरकार द्वारा राजपत्र में निर्दिष्ट और निर्धारित प्रश्नों को ही पूछें तथा नागरिकों से अनावश्यक या अतिरिक्त पूछताछ न करें।

साथ ही, अपने कर्तव्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या इंकार करने पर प्रगणकों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देता है, उत्तर देने से इनकार करता है, या मकानों पर लिखे गए नंबरों को मिटाता/नुकसान पहुंचाता है, तो उस पर 1,000 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

बाधा डालने पर जुर्माना

जनगणना कार्य में बाधा डालने या कार्यालय में अनधिकृत प्रवेश करने पर 1,000 जुर्माने के साथ अधिकतम 3 वर्ष तक की जेल का भी प्रावधान है। जनता के भ्रम को दूर करते हुए स्पष्ट किया गया है कि जनगणना में प्राप्त किये गए आंकड़े पूरी तरह गोपनीय रहेंगे। इन्हें किसी भी दीवानी या आपराधिक मामले में कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता।

ज्ञात हो कि जनगणना के आंकड़ों का प्राथमिक उपयोग केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में सटीक नीति निर्धारण, लोक प्रशासन और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन व आरक्षण के लिए किया जाता है। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय कार्य में सही जानकारी देकर सहयोग करने की अपील की है।

जरा सी अंधड़ बारिश में गुल रही बिजली, सड़क पर बैठकर काटी रात

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मंगलवार शाम को चली आंधी और बारिश के बाद ट्विन सिटी में बिजली विभाग की पोल खुल गई। माचिस की डिब्बी जैसे घरों में रहने वाले लोगों ने जहां सड़कों पर बैठकर रात काटी वहीं अधिकांश लोग सड़कों पर प्लास्टिक की कुर्सियां डाले बिजली का इंतजार करते रहे।

आंधी बारिश में सुरक्षा के मद्देनजर बिजली का कुछ घंटों के लिए गुल हो जाना लोगों की समझ में आता है। लोग बिजली विभाग को फोन भी लगाते हैं। लगातार बिजी आने पर वो समझ भी जाते हैं कि विभाग काम में लगा है। पर जो मंगलवार को हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ था।

बिजली विभाग के फोन पर पहले तो यह संदेश आता रहा कि जिस नंबर से आप कॉल कर रहे हैं वह रजिस्टर्ड नहीं है। जबकि उसी नंबर पर बिजली विभाग हर महीने बिल भेजता है। उसी नम्बर पर मंगलवार को बिजली गुल रहने के मैसेज भी आ रहे थे। इसके बाद फोन ने सुर बदल लिया और फिर हिन्दी और मराठी में फोन के बिजी होने के संदेश आते रहे।

लोगों का कहना था कि सरकारों ने बिजली की समस्या को कभी गंभीरता से लिया ही नहीं। सालों से लोग सुनते आ रहे हैं कि बिजली के केबल अंडरग्राउंड होंगे। यदि हो गए होते तो ये परेशानी बार-बार नहीं होती।

मंगलवार शाम 5 बजे गई बिजली किस्तों में रात को 11 बजे से 2 बजे के बीच आई। तब तक लोगों के इंवर्टर फुंक चुके थे। चार्जिंग बल्ब जवाब दे चुके थे। कुछ लोगों ने पुराना धुराना जनरेटर निकाल लिया था जिससे पूरे मोहल्ले की सांस रुकने लगी थी।

इसलिए भी बड़ी समस्या

बिजली के तार कई स्थानों पर पेड़ों में उलझे हुए हैं या फिर इतने करीब हैं कि पेड़ की एक शाख टूटी नहीं कि बिजली गुल। बिजली के खंभों का इस्तेमाल टेलीफोन विभाग से लेकर केबल कनेक्शन वाले तक करते रहे हैं। केबल कनेक्शन कब के बंद हो गए पर केबल टीवी के तारों को हटाने की जरूरत नहीं समझी गई। इन्हीं खंभों पर स्कूल-कालेज के विज्ञापन लगे होते हैं।

अंडर ग्राउंड केबल जरूरी

बिजली की व्यवस्था को चाकचौबंद करने के लिए अंडर ग्राउंड केबल जरूरी हैं ताकि आंधी-बारिश से वह अप्रभावित रहे। हमें समझना होगा बिजली शौक नहीं आवश्यकता है।

जिले में थाई मांगुर और बिग हेड मछली पालन, क्रय-विक्रय व परिवहन पर रोक

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के मछली पालन विभाग के दिशा-निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले के भीतर विदेशी 'थाई मांगुर' (क्लेरियस गैरीपिनस) और 'बिग हेड' (हाइपोफ्थेल मिचिथिस नोबिलिस) प्रजाति की मछलियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

अब जिले में इन प्रतिबंधित मछलियों के बीज उत्पादन, पालन, संवर्धन, क्रय-विक्रय तथा परिवहन जैसी गतिविधियों को पूरी तरह से रोक दिया गया है, और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ये विदेशी मांसाहारी प्रजातियां स्थानीय जलीय पर्यावरण और पारंपरिक मत्स्य पालन के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी हैं। ये आक्रामक मछलियां स्थानीय तालाबों और नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती हैं और स्वदेशी मछलियों को खा जाती हैं, जिससे स्थानीय जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही, दूषित जल और हानिकारक अपशिष्टों को खाकर तेजी से बढ़ने वाली इन मछलियों के सेवन से मानव स्वास्थ्य पर बेहद बुरा असर पड़ता है। कैंसर व त्वचा रोग जैसी घातक बीमारियों की आशंका बनी रहती है। इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह से नकेल कसने के लिए मछली पालन विभाग द्वारा एक विशेष उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है, जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार औचक निरीक्षण करेगा। यदि जिले के किसी भी निजी या शासकीय तालाब, बाजार अथवा परिवहन वाहन में प्रतिबंधित थाई मांगुर या बिग हेड मछली पाई जाती है, तो मत्स्य विभाग द्वारा उस पूरे स्टॉक को तत्काल जब्त कर नष्ट कर दिया जाएगा। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले मत्स्य पालकों, व्यवसायियों और बिचौलियों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। दोषी पाए जाने पर न्यूनतम 1 वर्ष का कठोर कारावास अथवा 10 हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

सर्वधर्म सेवा संस्था : एमआईसी प्रभारी शिजु और संजय ने किया सफाई मित्रों का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सर्वधर्म सेवा संस्था, भिलाई द्वारा संचालित सफाई मित्र आभार पखवाड़ा के अंतर्गत आज दोपहर 1 बजे वार्ड 69 एवं 70 के सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद शिजु एंथोनी एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष संजय दानी ने सफाई कर्मियों को पानी की बोतल, गमछा एवं नाश्ता प्रदान कर उनका सम्मान एवं आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिजु एंथोनी एवं संजय दानी ने कहा कि भीषण गर्मी में भी सफाई मित्र निरंतर सेवा देते हुए शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मी वास्तव में समाज के पर्यावरण सुरक्षा के प्रात: प्रहरी हैं, जिनके परिश्रम का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

संस्था के महासचिव राकेश रत्नाकर की अगुवाई में चलाए जा रहे इस सफाई मित्र आभार पखवाड़ा के माध्यम से विभिन्न वार्डों में जाकर सफाई कर्मियों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की जा रही है। इस अवसर पर संस्था के प्रतीक भोई, रघुवंश सैनी, रमेश प्रजापति, रामेश्वर के प्रसाद पांडे, जी.पीके त्रिपाठी, जे पी सिंह, संतोष जाटव, शंकर राव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

संस्था ने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे सफाई मित्रों का सम्मान करें एवं गर्मी के मौसम में उन्हें ठंडा पानी उपलब्ध कराकर सहयोग प्रदान करें।

जिले में ओडीएफ स्थायित्व के लिए तेजी से हो रहा काम 2651 लोगों को मिली शौचालय निर्माण प्रोत्साहन राशि

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्ण रूप से 'खुले में शौच मुक्त' (ओडीएफ) बनाए रखने और ग्रामीणों के स्वास्थ्य व स्वच्छता स्तर में सुधार के लिए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार और जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे के मार्गदर्शन में जिले में व्यापक स्तर पर नए शौचालयों का निर्माण और प्रोत्साहन राशि के वितरण का कार्य सुचारू रूप से संचालित है।

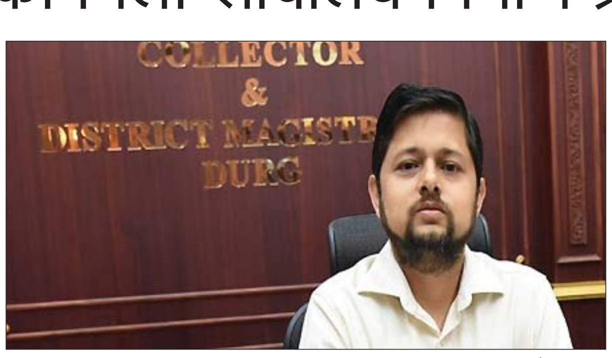

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जिले में प्राप्त मांग पत्रों के आधार पर 2462 नवीन पात्र परिवारों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। इनमें से 2382 हितग्राहियों के घरों में शौचालय निर्माण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण होने के पश्चात शासन द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन राशि का लाभ दिया जा चुका है। प्रत्येक पात्र परिवार को शौचालय निर्माण हेतु 12 हजार रूपए की वित्तीय सहायता दी जा रही है। इस वित्तीय वर्ष में कुल 2,85,84,000 की राशि जारी की जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी पाटन जनपद पंचायत से 110 और धमधा जनपद पंचायत से 159, इस प्रकार कुल 269 हितग्राहियों के घरों में शौचालय निर्माण पूर्ण होने पर उनके बैंक खातों में 12 हजार रूपए के मान से कुल 32,28,000 (32 लाख 28 हजार रुपये) की प्रोत्साहन राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे हस्तांतरित कर दी गई है।

जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ग्राम पंचायतों (सरपंच एवं सचिव) के माध्यम से जनपद पंचायत को प्राप्त मांग पत्रों की जांच जनपद स्तर पर गठित समिति द्वारा की जाती है। इसके बाद ग्रामीण स्तर पर जाकर घरों का भौतिक सत्यापन और 'जियो-टैगिंग की जाती है। कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और आधार आधारित डीबीटी के माध्यम से राशि सीधे हितग्राही के आधार लिंक बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है। योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ने वाले नवीन परिवारों को शामिल किया जा रहा है।

जॉब कार्ड बना सहारा, ईश्वरी को अब गांव में ही मिल जाएगा रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जनपद पंचायत दुर्ग क्षेत्र की पाउवारा गांव की निवासी ईश्वरी साहू लंबे समय से रोजगार की समस्या से जूझ रही थी। पति के बीमार पड़ने से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी कठिन हो रहा था। बच्चे के स्कूल का फीस पटाने में परेशानी हो रही थी। ऐसे समय में शासन की महत्वाकांक्षी मनरेगा योजना के तहत उन्हें जॉब कार्ड प्राप्त हुआ, जिसने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई।

पुरई जनसमस्या निवारण शिविर में साहू को जॉब कार्ड मिलने के बाद अब उन्हें गांव में ही रोजगार उपलब्ध होगा। नियमित मजदूरी मिलने से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा तथा बच्चों की पढ़ाई और घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करना आसान होगा। अब उन्हें रोजगार की तलाश में बाहर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

हितग्राही ने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जॉब कार्ड उनके परिवार के लिए सहारा साबित हुआ है। उन्होंने अन्य ग्रामीणों से भी शासन की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

खास-खबर

दिव्यांग बुद्ध सिंह को मिला मोटराइज्ड ट्रायसायकल'

रायपुर। शासन के मंशानुरूप दिव्यांगजनों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार राहत पहुंचाई जा रही है। जिला कार्यालय कोंडागांव में ग्राम पंचायत बड़े राजपुर निवासी बुध सिंह सेठिया को मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्रदान किया गया। यह ट्रायसायकल समाज कल्याण विभाग, कोण्डागांव के माध्यम प्रदान की गई। श्री सेठिया ने बताया कि बीमारी के कारण उनके दोनों पैर से दिव्यांग हो गए हैं। जिसके कारण उन्हें आवागमन नहीं कर पाता था। मोटराइज्ड ट्रायसायकल मिलने से अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों एवं आवश्यक गतिविधियों के लिए आने-जाने में सहूलियत होगी। ट्रायसायकल प्रदान करने के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य देश में सर्वाधिक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा है। विभाग केवल गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पत्तों की खरीदी करता है। कटे-फटे और निम्न गुणवत्ता के पत्ते रिजेक्ट किए जाते हैं। यह जानकारी प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ ने दिया है । प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ, रायपुर ने बताया कि रिजेक्ट तेंदूपत्तों पर संग्राहकों का स्वामित्व है। वे अपनी वनोपज को निजी स्तर पर बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। यह वैध व्यापारिक प्रक्रिया है, इसे श्तस्करीश् नहीं कहा जा सकता। 18 मई 2026 तक सुकमा में 84 हज़ार 382 मानक बोरा यानी लक्ष्य का 77.84: संग्रहण हो चुका है। कोन्टा क्षेत्र की 5 समितियों में 100: से अधिक संग्रहण हुआ है। राज्य में कुल 11.64 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। 46 हज़ार 625 संग्राहक जुड़े हैं, जो पिछले वर्ष से अधिक है। ओडिशा सीमा से लगे क्षेत्रों में वन विभाग की सघन गश्त और रात्रिकालीन पेट्रोलिंग जारी है।

सुशासन तिहार में अलमा टोप्पो की वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार ग्रामीणों के लिए राहत और भरोसे का प्रभावी माध्यम बन रहा है। जनसमस्या निवारण शिविरों के जरिए आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से सीधे जोड़ा जा रहा है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत नानदमाली निवासी अलमा टोप्पो लंबे समय से राशन कार्ड नहीं बनने के कारण परेशान थीं। राशन कार्ड के अभाव में उनके परिवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न का लाभ नहीं मिल पा रहा था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उन्होंने अपनी समस्या रखी। तत्परता दिखाते हुए दस्तावेजों का परीक्षण किया और मौके पर ही उनका नया राशन कार्ड जारी कर दिया।

शहर को सुव्यवस्थित, आधुनिक और जनसुविधाओं से समृद्ध बनाने लगातार किए जा रहे कार्य : ओपी चौधरी

सामुदायिक भवन, बाल उद्यान और नाली निर्माण से बढ़ेंगी नागरिक सुविधाएं, अधोसंरचना विकास, पर्यावरण संरक्षण और युवाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने नगर पालिक निगम रायगढ़ क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि रायगढ़ शहर को सुव्यवस्थित, आधुनिक और जनसुविधाओं से समृद्ध बनाने के उद्देश्य से लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में अधोसंरचना विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सुविधाओं और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वित्त मंत्री चौधरी ने नगर निगम के वार्ड क्रमांक 28 में विधायक निधि से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित साहू समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन सामाजिक गतिविधियों, बैठकों, सांस्कृतिक आयोजनों और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं। ऐसे भवन समाज के लोगों को सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराते हैं और सामाजिक समन्वय को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर चौधरी ने कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले साहू समाज के छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

वार्ड क्रमांक 21, श्रीराम कॉलोनी में अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि से लगभग 46 लाख रुपये की लागत से बाल उद्यान जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत लैंडस्केपिंग, पौधरोपण, मुख्य द्वार, बाउंड्रीवाल, विद्युतीकरण, बच्चों के खेल उपकरण, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि इस उद्यान के विकसित होने से बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थल मिलेगा तथा शहर के हरित क्षेत्र में वृद्धि होगी। रायगढ़ स्टेडियम के पीछे से श्रीराम कॉलोनी मोड़ तक लगभग 37.88 लाख रुपये की लागत से 580 मीटर लंबी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया गया।

इस निर्माण से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा और बरसात के दौरान होने वाली समस्याओं में कमी आएगी। श्री चौधरी ने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल निकासी संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं।

वित्त मंत्रीओ.पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में सड़क, पुल, केलो नदी तट विकास, तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान निर्माण और ऑक्सीजन जोन जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य चल रहा है। इतवारी बाजार क्षेत्र को ऑक्सीजन जोन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिलेगा।

उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन नालंदा परिसर युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का आधुनिक अध्ययन केंद्र बनेगा, जहां पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष और मार्गदर्शन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिलों में राहत मिल रही है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से योजना का लाभ लेने की अपील की।

उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही सब्सिडी की जानकारी भी दी और नागरिकों से योजना से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू, जनप्रतिनिधिगण, समाज के पदाधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव और जनभागीदारी को समर्पित विशेष अभियान शुरू

सुकमा जिले के 277 धरती आबा एवं पीएम जनमन ग्रामों का होगा कायाकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा देश भर में श्जनजातीय गरिमा उत्सव जन भागीदारी अभियानश् की शुरुआत की गई है। इस देशव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरव को रेखांकित करना और सुदूर क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। इस संबंध में मंत्रालय द्वारा आधिकारिक दिशा-निर्देश जारी कर सभी संबंधित विभागों और कार्यालयों को मुस्तैदी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। इस सम्बन्ध में कलेक्टर श्री अमित कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारीयों की बैठक आयोजित कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

इस बार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जा रहे इस आईईसी कैंपेन की विशेष थीम जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले रखी गई है। अभियान के तहत कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जमीनी संपर्क, सेवा संतृप्ति और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा, चिन्हित केंद्रों पर श्जन सुनवाई कार्यक्रमोंश् का आयोजन किया जाएगा, जहाँ प्राप्त शिकायतों को न केवल सूचीबद्ध किया जाएगा बल्कि उनका त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर श्री अमित कुमार के द्वारा सुकमा जिले के 277 धरती आबा ग्राम एवं पीएम जनमन ग्रामों में 18 मई से 25 मई तक आयोजित होने वाले अभियान की विस्तृत समीक्षा की गई। अभियान के अंतर्गत ग्राम स्तर पर संतृप्तिकरण शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जनसुनवाई, जागरूकता कार्यक्रम, ट्रांसेक्ट वॉक एवं जनजातीय गरिमा उत्सव आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए।

अभियान को पूरी तरह पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग का सहारा लिया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत होने वाली समस्त गतिविधियों की दैनिक प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उसे सीधे प्रसारण पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। सख्त निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक लोकेशन से प्रतिदिन अनिवार्य रूप से कम से कम 05 फोटोग्राफ पोर्टल पर अपलोड किए जाएं।

मंत्रालय ने इसे शीर्ष प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को तिथि (डेट-वाइज) गतिविधियों का विवरण भेजने और इस कार्यालय को सूचित करने के निर्देश दिए हैं।

सुशासन तिहार से जीवन में नई उम्मीद जगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर, राजनांदगांव जिले के ग्राम कोटराभाठा की दिव्यांग मथुरा साहू के जीवन में नई खुशियां लेकर आया। शिविर में उन्हें नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की गई।

मथुरा साहू ने बताया कि पहले वे ज्यादातर समय घर पर ही रहती थीं और आने-जाने के लिए परिवार के सदस्यों पर निर्भर थीं। अब मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिलने से वे खुद बाजार जाकर जरूरी सामान ला सकेंगी।

अपने रोजमर्रा के कामों के लिए दूसरो पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सुविधा उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है। मथुरा साहू ने छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है।

शिविरों में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, लर्निंग लाइसेंस और राजस्व प्रकरणों जैसी समस्याओं का समाधान होने से लोगों में शासन की योजनाओं के प्रति भरोसा बढ़ा है।

सुशासन तिहार में मिला मालिकाना हक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर अब ग्रामीणों के लिए शिकायत निवारण का मंच नहीं, बल्कि अधिकारों और सुविधाओं तक पहुंच का माध्यम भी बनता जा रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद जिले के विकासखंड सरायपाली के ग्राम गढ़फुलझर में आयोजित समाधान शिविर में 10 पात्र हितग्राहियों को भूस्वामित्व आबादी पट्टा वितरित किया गया, जिससे उनके वर्षों पुराने इंतजार को नई पहचान और अधिकार मिला।

पट्टा मिलने से हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी साफझलक रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें अपने आवासीय भूमि पर वैधानिक स्वामित्व का अधिकार प्राप्त हुआ है, जिससे भविष्य में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में भी सुविधा होगी।

नागरिक सहकारी बैंकों में बढ़ेंगी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य के शहरी सहकारी बैंकों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने के लिए आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं छत्तीसगढ़ महादेव कावरे ने समीक्षा बैठक ली। इस समीक्षा बैठक में राज्य के 12 शहरी नागरिक सहकारी बैंकों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में सहकारिता आयुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई नवाचारात्मक पहलों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर और आसान बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एईपीएस (आधार आधारित भुगतान प्रणाली) जैसी सुविधाएं शुरू की जाएं।

सहकारिता आयुक्त ने बैंकों को यह भी निर्देशित किया कि वे तकनीकी सहायता और आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए गठित अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ें। इससे बैंकों को नई तकनीक अपनाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में मदद मिलेगी।

बैठक में अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली के अधिकारी सुमीत हंस ने बैंकों को संगठन से जुड़ने के लाभ और उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे सहकारी बैंक डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को तेजी से लागू कर सकेंगे। इस अवसर पर व्यावसायिक सहकारी बैंक रायपुर, नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, लक्ष्मी नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, रायपुर अर्बन मर्केंटाइल को-ऑप बैंक, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, रायगढ़, महासमुंद, अंबिकापुर और जगदलपुर के सहकारी बैंक शामिल हुए।

सहकारिता आयुक्त श्री कावरे ने सभी बैंकों को तय समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए। इस पहल से प्रदेश के सहकारी बैंकों में डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा और ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी।

गांव-गांव पहुंच रहा प्रशासन, शिविरों में सैकड़ों ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

कुसमी और कामेश्वरनगर शिविरों में प्राप्त हुए 338 आवेदन, स्वास्थ्य जांच और सामग्री वितरण से हितग्राही लाभान्वित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आम जनता की समस्याओं का निराकरण कर रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखंड कुसमी एवं रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कामेश्वरनगर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया।

विकासखंड कुसमी में आयोजित शिविर में सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस शिविर में चरहटकला, सामरी, अमटाही, राजेन्द्रपुर, दात्रम, इदरीपाट, बेतपानी, टाटीझरिया, गोपातु, लक्ष्मणपुर, सेरंगदाग एवं जमीरापाट सहित 12 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण लाभान्वित हुए। वहीं रामचन्द्रपुर विकासखंड के कामेश्वरनगर शिविर में त्रिशुली, पचावल, डूगरू, सनावल, इन्द्रावतीपुर, सुन्दरपुर, मिनवाखड़, आनन्दपुर, बरवाही, दोलंगी, औरंग, शिलाजु एवं उचुरवा सहित 13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन लगातार गांवों तक पहुंच रहा है। शिविरों के माध्यम से आमजन को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है, जिनका प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जा रहा है।

कुसमी शिविर में कुल 210 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 201 मांग एवं 9 शिकायत से संबंधित थे। वहीं कामेश्वरनगर शिविर में 128 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 123 मांग एवं 5 शिकायत से संबंधित रहे। प्राप्त आवेदनों पर त्वरित निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। कामेश्वरनगर शिविर में 236 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को बीज एवं अन्य सामग्री वितरित की गई। 10 लोगों को आयुष्मान कार्ड, 175 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 3 टीबी मरीजों को पोषण किट तथा 2 श्रमिकों को श्रम पंजीयन कार्ड प्रदान किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 12 हितग्राहियों को नई पहल किट वितरित की गई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 4 हितग्राहियों को गृह प्रवेश हेतु आवास की चाबी सौंपी गई। इसके अलावा 3 मेधावी छात्राओं का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

शिविरों में स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही ग्रामीणों से समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त कर कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित सुशासन तिहार के शिविरों में ग्रामीणों का उत्साह और सहभागिता लगातार बढ़ रही है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

साड़ी में गजब ढाती हैं जाह्नवी कपूर

पेड्डी एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर अटक जाएगा आपका दिल

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साड़ी अवतार में अलग-अलग लुक्स को देख दंग रह जाएंगे आप। देखिए कैसे अपने साड़ी लुक से जाह्नवी ने फैंस का दिल जीता और इंटरनेट पर अपना जलवा बिखेरा।

जब बात बॉलीवुड के फैशन की हो और एक्ट्रेसेस का साड़ी लुक में ग्लैम दिखे, तो जाह्नवी कपूर का नाम सबसे पहले आता है। जाह्नवी कपूर अकसर अपने इंस्टाग्राम पर साड़ी लुक में फोटो अपलोड करती नजर आती हैं। जेन-जी एक्ट्रेस का ट्रैडिशनल लुक उनके फैंस का दिल हर बार जीत लेता है। जाह्नवी कपूर के साड़ी अवतार की बात हो तो केवल उनके कपड़े और मेकअप नहीं, ब्लकि उनकी बॉडी लैंग्वेज, स्टाइल, और ग्रेस कि तारीफ भी करी जाती है।

भारी और डिज़ाइनर साड़ी में जाह्नवी का चहरा और भी ज़्यादा खिल कर आता है। ट्रेंडिंग फैशन सेंस के साथ- साथ साड़ी में ग्लैमरस लुक देना उनकी खासीयत है। जाह्नवी का साड़ी अवतार हमेशा अलग अंदाज में सामने आता है। इस लुक में जाह्नवी बेहद रॉयल लग रही हैं। ट्रेडीशनल साउथ लुक, हैवी ज्वेलरी, बिंदी, मिनिमल मेकअप और चहरे पर मासूमियत. जाह्नवी कपूर के साड़ी को ड्रेप करने का तरीका हमेशा काफी ग्रेसफुल और एलिगेंट रहता है। इसी के साथ उनका नो-हेवी मेकअप लुक उनके अवतार में चार-चांद लगा देता है। डिज़ाइनर साड़ी के अलावा जब जाह्नवी प्लेन कॉटन, प्रिंटेड या सिल्क कि साड़ी पहनती हैं तो उनको देखते ही श्रीदेवी का 80S वाला लुक सामने आ जाता है। मॉर्डन ड्रेसेस और हेवी मेकअप लुक जाह्नवी पर खुब जचता है, लेकिन साड़ी में उनकी खूबसूरती और कॉनफिड़ेंस अलग ही खिलता है। हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म पेड्डी के ट्रेलर लॉन्च के लिए जाह्नवी ने ब्लू साड़ी लुक में सोशल मीडिया पर फोटो डाली। तस्वीरें देख फैंस बोले ट्रेडिशनल हो तो ऐसा।

खुद की काबिलियत पर भरोसा करें महिलाएं, मेहनत से मिलती है कामयाबी: हुमा कुरैशी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने आज की भारतीय महिला की पहचान को लेकर एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाली बात कही है।

हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस लेटेस्ट लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ब्लैक कलर के खूबसूरत वनपीस आउटफिट में नजर आ रही हैं। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, मेरे लिए एक आधुनिक भारतीय महिला होने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों (संस्कृति) को छोड़े बिना अपनी मेहनत के दम पर दुनिया में धीरे-धीरे आगे बढना है। खुद को बदले बिना दुनिया में अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना ही सबसे बड़ी खूबी है। हुमा ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, जीवन में मुश्किलों से डरने के बजाय उन्हें अपनी असली ताकत बनाना चाहिए। अपने सपनों को खुलकर और खूबसूरती से जीना जरूरी है। जब आप किसी ऊंचे मुकाम पर पहुंचें, तो आपके मन में यह पक्का विश्वास होना चाहिए कि आप यहां सिर्फ अपनी किस्मत के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहुंची हैं।

अभिनेत्री ने आखिर में लिखा कि हर महिला को हमेशा पूरी सच्चाई और आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी जीनी चाहिए। उन्होंने लिखा, जिंदगी में जब भी कोई नया मोड़ आए, तो उसे अपनी सकारात्मकता से खास बना देना चाहिए। फिर मिलेंगे कान्स में।

अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आएंगी। यश की इस बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में अभिनेत्री एलिजाबेथ का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी और शाही है।

यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच के गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

फिल्म मैं वापस आऊंगा से नया गाना मस्कारा हुआ जारी, एआर रहमान ने दिया संगीत

इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म अमर सिंह चमकीला के बाद, दिलजीत दोसांझ का इम्तियाज के साथ यह दूसरा सहयोग है।

उनके साथ वेदांग रैना और शरवरी भी फिल्म का हिस्सा हैं। निर्माताओं ने फिल्म से नया गाना मस्कारा जारी कर दिया है। इससे पहले, दिलजीत की आवाज में फिल्म से पहला आधिकारिक गाना क्या कमाल है रिलीज किया गया था।

मस्कारा गाने को टिप्स ऑफिशियल नाम के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है। इस गाने को ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने कंपोज किया है और इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। निलंजना घोष दस्तीदार ने गाने को आवाज दी है और उनका साथ वेदांग ने दिया है।

यह पहला मौका है जब उन्होंने अभिनय के साथ-साथ गाने में भी हुनर दिखाया है। बता दें, मैं वापस आऊंगा 12 जून को सिनेमाघरों का रुख करने के लिए तैयार है।

फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ के साथ नसीरुद्दीन शाह, शरवरी वाघ और वेदांग रैना अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा निर्मित है।

जंक फूड खाने के बाद शरीर थका हुआ क्यों महसूस होता है? जानिए इसके कारण

जंक फूड का सेवन आजकल काफी आम हो गया है। इसका स्वाद भले ही लाजवाब हो, लेकिन यह सेहत पर बुरा असर डालता है। अक्सर लोग कहते हैं कि जंक फूड खाने के बाद उनका शरीर थका हुआ महसूस होता है। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? आइए जानते हैं कि जंक फूड खाने के बाद शरीर थका हुआ क्यों महसूस होता है और इससे क्या-क्या समस्याएं हो सकती हैं।

जंक फूड में जरूरी पोषक तत्वों की कमी

जंक फूड में अक्सर विटामिन, खनिज और फाइबर की कमी होती है। इन पोषक तत्वों की कमी से शरीर को सही तरीके से काम करने में दिक्कत होती है। इससे ऊर्जा का स्तर गिरता है और आपको थकान महसूस होती है। जंक फूड खाने से शरीर को वो जरूरी पोषण नहीं मिलता, जो उसे चाहिए होता है, जिससे आप सुस्त और थका हुआ महसूस करते हैं। इसलिए संतुलित आहार लेना बहुत जरूरी है।

ज्यादा शक्कर और चर्बी का प्रभाव

जंक फूड में ज्यादा मात्रा में शक्कर और चर्बी होती है, जो तुरंत ऊर्जा देती है, लेकिन इसके बाद तेजी से ऊर्जा का स्तर गिर जाता है। इससे आपको जल्द ही थकान महसूस होती है और मूड भी खराब हो सकता है। इसके अलावा ज्यादा शक्कर और चर्बी का सेवन लंबे समय तक सेहत पर बुरा प्रभाव डाल सकता है, जिससे मोटापा, मधुमेह और दिल की बीमारियां जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पाचन पर पड़ता है बुरा असर

जंक फूड पचाने में ज्यादा मेहनत लगती है, जिससे पाचन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे कब्ज, गैस, और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा जंक फूड का सेवन पाचन की कार्यक्षमता को भी प्रभावित करता है, जिससे शरीर को सही तरीके से पोषण नहीं मिल पाता। इसलिए यह जरूरी है कि हम संतुलित आहार लें, जिसमें फाइबर, विटामिन्स और खनिज भरपूर मात्रा में हों ताकि पाचन सही तरीके से काम कर सके।

नींद का खराब होना

जंक फूड में अधिक मात्रा में कैफीन या अन्य उत्तेजक तत्व हो सकते हैं, जो नींद को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा जंक फूड का सेवन रात में करने से पाचन क्रिया बाधित होती है, जिससे नींद भी खराब होती है। इससे आप अगली सुबह थका हुआ महसूस करते हैं और आपकी कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। इसलिए बेहतर होगा कि रात के समय हल्का और पौष्टिक भोजन ही किया जाए।

मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है प्रभाव

जंक फूड खाने से सिर्फ शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। इससे मूड स्विंग्स, चिड़चिड़ापन और अवसाद जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा जंक फूड खाने से ध्यान केंद्रित करने में भी दिक्कत होती है, जिससे काम में बाधा आती है। इस प्रकार स्पष्ट है कि जंक फूड खाने से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक थकान भी होती है। इसलिए बेहतर होगा कि हम संतुलित आहार लें।

निर्देशक मिलाप जावेरी की फिल्म तेरा यार हूं मैं को मिली नई रिलीज तारीख, 31 जुलाई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

पिछले साल 'एक दीवाने की दीवानियत' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है।

मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि 'तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

इससे पहले मेकर्स ने फरवरी में फिल्म की घोषणा करते हुए इसका फर्स्ट लुक जारी किया था। तब मेकर्स फिल्म को 22 मई को रिलीज करने वाले थे। लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट बदल दी है। फिल्म का जो पोस्टर जारी किया गया है, उसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं। व्हाइट बैकग्राउंड में दोनों के चेहरों का क्लोज अप शॉट है, जिसमें दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

मिलाप जावेरी की आखिरी निर्देशित फिल्म 'मस्ती' फ्रेंचाइजी की 'मस्ती 4' है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। पिछले साल ही उनकी रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' भी रिलीज हुई थी।

इस फिल्म ने काफी चर्चाएं बटोरी थीं। वहीं क्रिटिक्स और दर्शकों की भी इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब वो 'तेरा यार हूं मैं' के साथ एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं।

मोहन लाल की दृश्यम 3 ने रिलीज से पहले ही कर डाली बंपर कमाई, हर 24 घंटे में बिक रहे 30 हजार से ज्यादा टिकट

दृश्यम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त ने रिलीज से पहले काफी माहौल बना दिया है। फैंस मोहनलाल स्टारर इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इसी के साथ इसे पहले दिन के लिए खूब प्री टिकट सेल हो रही है। ऐसे में दृश्यम 3 ने एडवांस बुकिंग में ही अच्छा-खासा कलेक्शन कर डाला है।

बता दें कि दृश्यम 3 मोहनलाल के 66वें जन्मदिन के मौके पर यानी 21 मई को रिलीज़ होने वाली है। यह फिल्म, एक सामान्य थिएटर रिलीज़ से कहीं बढ़कर एक्टर के फैंस के लिए एक बड़े इवेंट जैसी है। इन सबके बीच दृश्यम 3 प्री टिकट सेल में भी कमाल कर रही है।

इसने ऑफिशियली अब ममूटी-मोहनलाल की स्पाई थ्रिलर फिल्म पैट्रियट के लास्ट प्री-सेल्स आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है। बता दें कि पैट्रियट ने बुक माई शो पर 333,000 टिकटों के साथ अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी थी लेकिन अब दृश्यम 3 ने इसे मातदे दी है 334,000 का आंकड़ा पार कर लिया है और प्लेटफॉर्म के इतिहास में दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली मलयालम फिल्म बन गई है।

यह अब केवल एल2: एम्पुरान द्वारा बनाए गए 13 लाख के विशाल रिकॉर्ड से पीछे है. गौरतलब है कि बॉक्स ऑफिस पर हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्मों का दबदबा रहता है, लेकिन दृश्यम 3 मॉलीवुड के इतिहास में रिलीज से पहले इस स्तर का दबदबा कायम करने वाली पहली प्योर सस्पेंस-ड्रामा फिल्म बन गई है।

फिल्म की पॉपुलैरिटी का अंदाजा रियल-टाइम डेटा से साफतौर पर लगाया जा सकता है, जहां फिलहाल हर 24 घंटे में लगभग 30,000 टिकट बिक रहे हैं, अकेले केरल में ही पहले दिन की एडवांस कमाई 5 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है, जहां राज्य में 2 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। कोच्चि, तिरुवनंतपुरम और कालीकट जैसे प्रमुख शहरों में भारी भीड़ देखी जा रही है, जहां सुबह 4:00 और 7:00 बजे के कई फैन शो पहले ही हाउसफुल हो चुके हैं। फिलहाल, राज्य भर में 1,200 से ज्यादा शो ट्रैक किए जा रहे हैं, और रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ ही कई शो तेजी से भर रहे हैं।

वहीं फिल्म मेकर्स का दावा है कि दृश्यम 3 ने वर्ल्डवाइड प्री-सेल्स के जरिए 20 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। सैकनिल्क रिपोर्ट के अनुसार, रिलीज से पहले ही दृश्यम 3 की दुनियाभर में प्री टिकट सेल 15 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। अभी फिल्म की रिलीज में दो दिन बचे हैं यानी प्री टिकट सेल का आंकड़ा और बढ़ेगा। दृश्यम जॉर्जकुट्टी और उसके परिवार की कहानी है, जो एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के बेटे के लापता होने के बाद संदेह के घेरे में आ जाते हैं। इस एक्साइटिंग कहानी की शुरुआत 2013 में मोहनलाल स्टारर मलयालम फिल्म से हुई थी। फिल्म की सफलता के बाद, इसका सीक्वल 2022 में आया था। अब इसका तीसरा भाग 21 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। बता दें कि तीनों फिल्मों का निर्देशन जीतू जोसेफ ने किया है। दृश्यम 3 में मीना, अंसीबा हसन और एस्थर अनिल भी हैं जो अपनी भूमिकाओ को दोहराते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा यू/ए 13 सर्टिफिकेशन मिला है।

खास खबर

हिमाचल की वादियों में छत्तीसगढ़ का हुनर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के होनहार युवा जल्द ही हिमाचल प्रदेश की ठंडी वादियों और ऊंचे पहाड़ों के बीच अपने हुनर का जलवा बिखेरेंगे।यूथ फेस्टिवल 2026 के तहत राष्ट्रीय स्तर के एक भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए जशपुर जिले के 20 छात्र-छात्राओं का दल रवाना हो रहा है। यह राष्ट्रीय आयोजन हिमाचल प्रदेश के श्बीरश् में 21 मई से 24 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के 18 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के 20 युवाओं (छात्र-छात्राओं) का चयन जशपुर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस महोत्सव के लिए किया गया है। युवाओं की सुरक्षा और मार्गदर्शन के लिए दल के साथ जिला स्तर के 02 प्रभारियों को भी भेजा गया है। यह फेस्टिवल केवल एक सामान्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश भर के युवाओं के सपनों, कला, संस्कृति और आत्मविश्वास का एक जीवंत महोत्सव होगा। कार्यक्रम के दौरान जहाँ युवा हरे-भरे पहाड़ों पर एडवेंचर और ट्रेकिंग का अनुभव लेंगे, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस 4 दिवसीय आयोजन में गीत, संगीत, नृत्य आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएगी। भाषण प्रतियोगिताओं के साथ -साथ देश के विभिन्न राज्यों से आए युवाओं के साथ संवाद भी होगा।

गंभीर कुपोषण से स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ी नन्ही शान्वी

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की सतत निगरानी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिवार के सहयोग से बीजापुर जिले के विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम पीलूर की एक वर्षीय बालिका शान्वी मड़े ने गंभीर कुपोषण को मात देकर सामान्य श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। शान्वी की यह सफलता क्षेत्र के अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणादायक बन गई है। शान्वी की माता सरिता मड़े ने बताया कि बच्ची का स्वास्थ्य काफी कमजोर था और उसका वजन उम्र के अनुसार बहुत कम था। जांच में शान्वी गंभीर कुपोषण से पीड़ित पाई गई। उस समय उसका वजन 7.900 किलोग्राम था। स्थिति को गंभीर देखते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने लगातार घर-घर जाकर परिवार को संतुलित आहार, स्तनपान, पूरक पोषण और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में समझाया। प्रारंभ में परिवार बच्ची को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) ले जाने के लिए तैयार नहीं था, लेकिन लगातार समझाइश और मार्गदर्शन से परिवार सहमत हुआ। परियोजना अधिकारी श्रीमती कल्पना रथ और सेक्टर सुपरवाइजर कु. उजाला बंजारे ने भी परिवार से मुलाकात कर आवश्यक परामर्श दिया। इसके बाद विगत 2 अप्रैल को शान्वी को एनआरसी में भर्ती कराया गया, जहां उसे चिकित्सकीय देखरेख, विशेष पोषण आहार और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। एनआरसी में उपचार और घर लौटने के बाद नियमित देखभाल तथा सही पोषण मिलने से शान्वी के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हुआ। वर्तमान में उसका वजन बढ़कर 9.200 किलोग्राम हो गया है तथा उसकी ऊंचाई 70.2 सेंटीमीटर दर्ज की गई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने सम्पूर्ण देश के नक्सलमुक्त होने के ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार प्रकट किया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित इन सदस्य राज्यों और केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह बैठक केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत अंतर-राज्य परिषद सचिवालय द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की मेज़बानी में आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह बहुत हर्ष का विषय है कि यह बैठक बस्तर में आयोजित की जा रही है और इससे पहले ही आज पूरा बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि आज भारत के नक्सल मुक्त होने का संपूर्ण श्रेय हमारे सुरक्षाबलों के जवानों के परिश्रम और बहादुरी को जाता है। हमारी एजेंसियों ने बहुत सटीकता के साथ इनपुट एकत्र किए, सभी राज्यों के पुलिसबलों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर हर इनपुट पर सटीक कार्रवाई करने से संबंधित समयबद्ध निर्णय किए। इसके साथ ही **Whole of the Government Approach** के साथ सभी राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार के सभी विभागों ने नक्सलमुक्त हुए क्षेत्रों में विकास को पहुंचाने का काम किया।

अमित शाह ने कहा कि हमारी लड़ाई समाप्त नहीं हुई है क्योंकि नक्सल प्रभावित क्षेत्र लगभग पांच दशक से विकास की दौड़ में पिछड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इन क्षेत्रों को विकास के मामले में देश के बाकी क्षेत्रों के समकक्ष नहीं ले आते, तब तक हमारी लड़ाई समाप्त नहीं होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री ने पूरे देश के नक्सल मुक्त होने के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में जो भी चीजें चाहिए थीं, उन्होंने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के साथ समन्वय कर उन्हें प्राप्त किया और जहां नेतृत्व की जरूरत थी, वहां मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने नेतृत्व भी प्रदान किया और इसी का परिणाम है कि आज बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है।

अमित शाह ने कहा कि राज्यों के बीच के और राज्यों और केन्द्र के बीच के सभी विवादित मुद्दे समाप्त कर हम आज एक अच्छे वातावरण में यह बैठक कर रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि आज की बैठक में सभी एजेंडा विकास की मॉनिटरिंग से संबंधित थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारा संघीय ढांचा मजबूत हुआ है और क्षेत्रीय परिषद की बैठकें निरंतर हो रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप बहुत बड़े भूभाग में चार राज्यों के बीच और चार राज्यों का केन्द्र के साथ कोई विवाद ही नहीं बचा है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं। उत्तर के हिमालय क्षेत्र से लेकर गंगा-यमुना के मैदानी भूभाग से लेकर मध्य भारत के पठारी, वन समृद्ध और खनिज समृद्ध क्षेत्र इस क्षेत्र में आते हैं, जो निश्चित रूप से देश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होने कहा कि यह क्षेत्र हमें देश के अनाज के भंडारों को भरने में बड़ी मदद करता है। इस क्षेत्र के समृद्ध खनिज भंडार से देश के विकास को गति मिलती है और इसी क्षेत्र की समृद्ध विरासत और संस्कृति ने देश को आगे बढ़ाने में मदद की है। इसी क्षेत्र में देश के आस्था के सभी केंद्र करीब-करीब एक ही जगह पर आए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लगभग सात राज्यों को जोड़ता है और इस दृष्टि से पूरे मध्य क्षेत्र का बहुत महत्व है। गृह मंत्री ने कहा कि आज यह पूरा क्षेत्र ना केवल नक्सल मुक्त हुआ है, बल्कि विवादों से भी मुक्त हुआ है, जो हम सबके लिए बहुत हर्ष का विषय है।

नवा तरिया से संवर रही घुघरा की तस्वीर, जलसंरक्षण के साथ महिलाओं को मिलेगा रोजगार का साधन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर, कोरिया जिले के वनांचल क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत घुघरा की तस्वीर अब श्नवा तरिया आय के जरियाश् योजना से बदलने जा रही है। जनपद पंचायत सोनहत के घुघरा में मनरेगा के तहत नवीन तालाब निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है, जो जलसंरक्षण के साथ ग्रामीणों को स्थायी आजीविका का साधन भी देगा।

वित्तीय वर्ष 2026 में प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद भूमिपूजन कर पिछले सप्ताह से निर्माण शुरू किया गया है। लगभग 20 लाख रुपए की लागत से बन रहे इस तालाब में 17 लाख 37 हजार रुपए श्रममूलक मद पर खर्च होंगे। ग्राम पंचायत घुघरा को ही निर्माण एजेंसी बनाया गया है।

निर्माणाधीन तालाब की लंबाई-चौड़ाई 70×70 मीटर होगी और कार्य पूर्ण होने पर इसकी जलभराव क्षमता 6300 घनमीटर से अधिक हो जाएगी। इससे आसपास के 3 हेक्टेयर क्षेत्र में बहुफसलीय सिंचाई संभव होगी। प्रस्तावित 6657 मानव दिवसों में से अब तक 500 मानव दिवस अकुशल श्रम का सृजन हो चुका है, जिससे ग्रामीणों को तत्काल रोजगार मिल रहा है।

ग्राम पंचायत की सरपंच चंद्रवती गरूण और उपसरपंच रामभजन राजवाड़े ने बताया कि वरिष्ठ ग्रामीणों की सलाह और सहमति से ही स्थल का चयन किया गया। ग्रामीणों का प्रयास है कि बारिश शुरू होने से पहले निर्माण पूरा हो जाए, ताकि अधिकतम जल संग्रहण हो सके।

कार्यक्रम अधिकारी प्रतीक ने बताया कि तालाब बनने के बाद इसे स्थानीय महिला समूह को हस्तांतरित किया जाएगा। इससे महिलाओं की भागीदारी और आजीविका संवर्धन को बल मिलेगा।

निर्धारित गहराई के अनुसार आने वाले वर्षों में तालाब में 10 से 15 क्विंटल तक मत्स्य उत्पादन संभव होगा, जिससे 16 परिवारों की आय में सीधी बढ़ोतरी होगी। राज्य शासन की इस पहल से घुघरा में न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिलेगी। जून माह के मध्य तक निर्माण पूरा होने की संभावना जताई गई है।

जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान से जुड़ेंगे जिले के चिन्हांकित ग्राम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आदिवासी विकास विभाग द्वारा सर्व विभागों के समन्वय से आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जनभागीदारी अभियान - जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन जिला स्तर पर 18 मई 2026 से 25 मई 2026 तक किया जाएगा। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के मार्गदर्शन में सक्ति जिला में यह अभियान पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत चिन्हांकित ग्रामों में संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर संचालित आईईसी कैम्पेन जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले की थीम के अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में जनसंपर्क स्थापित कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। अभियान के माध्यम से जनजातीय समुदायों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं से सीधे जोड़ा जाएगा। अभियान के दौरान सेवा संतृप्ति, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम, विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं की जानकारी तथा आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत निर्मित सेवा केन्द्रों में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं को सूचीबद्ध कर उनके त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही अभियान अंतर्गत संचालित समस्त गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन भी तैयार किया जाएगा, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों तक पहुंच की समीक्षा की जा सके।

उप जेल बीजापुर में शिक्षा की नई शुरुआत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीजापुर उप जेल में शिक्षा के माध्यम से बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की एक सराहनीय पहल शुरू की गई है। कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन में उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के तहत असाक्षर कैदियों और बंदियों के लिए नवसाक्षरता अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अभियान के तहत बंदियों को पढ़ाई के लिए पेन, पेंसिल, पुस्तकें और व्हाइटबोर्ड जैसी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को साक्षर बनाकर उनमें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और आत्मनिर्भरता विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया ने कहा कि शिक्षा जीवन बदलने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि शासन का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति शिक्षा से वंचित न रहे। जेल में बंद असाक्षर लोगों को शिक्षित करना सामाजिक पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उप जेल प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बंदियों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया और शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान बंदियों में सीखने को लेकर उत्साह और नई उम्मीद देखने को मिली। उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से उप जेल बीजापुर में शिक्षा का सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है।

ग्रीष्मकालीन खेल शिविर में निखर रही बच्चों की प्रतिभाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से बीजापुर में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल शिविर में बच्चों की खेल प्रतिभाओं को नई दिशा मिल रही है। एजुकेशन सिटी में आयोजित इस आवासीय शिविर में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से आए बच्चे उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

कलेक्टर श्री विश्वदीप और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता चौबे के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण और सुदूर अंचलों के बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उनकी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है।

शिविर में जिले के चारों विकासखंडों से आए 260 खिलाड़ी शामिल हैं। बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को दो पालियों में वालीबाल, फुटबॉल, सॉफ्टबॉल, तीरंदाजी, बैडमिंटन, तैराकी, एथलेटिक्स और कबड्डी सहित 8 खेलों का नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को खेलों के नियम, अनुशासन, फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली की जानकारी भी दी जा रही है। प्रतिदिन योग सत्र आयोजित कर बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। खेल गतिविधियों के साथ बच्चों को सेंट्रल लाइब्रेरी में सामान्य ज्ञान और शैक्षणिक गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

शिविर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे चलकर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रवेश देकर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह ग्रीष्मकालीन खेल शिविर बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित कर रहा है।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों को रोजगार, बीमा, छात्रवृत्ति और सामाजिक सुरक्षा का लाभ

वन विभाग की योजनाओं से हजारों परिवारों को मिल रहा सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग वन आश्रित परिवारों और तेन्दूपत्ता संग्राहकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रहा है। वन है तो जीवन है, तेन्दूपत्ता है तो रोजगार है के संदेश के साथ वन विभाग और लघु वनोपज संघ ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को रोजगार, बीमा सुरक्षा, शिक्षा और सामाजिक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं।

वनमण्डलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक, कोरिया वनमण्डल बैकुण्ठपुर श्रीमती प्रभाकर खलको ने कहा कि विभाग का उद्देश्य वन आश्रित परिवारों को केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना भी है। वन विभाग की योजनाएं आज हजारों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव

ला रही हैं।

शासन द्वारा वर्ष 2026 के लिए तेन्दूपत्ता संग्रहण की दर 5.50 रूपए प्रति गड्डी तय की गई है। इसके अनुसार 100 गड्डियों पर 550 रूपए और प्रति मानक बोरा 5550 रूपए का भुगतान किया जाएगा। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों को रोजगार और आर्थिक सहारा मिल रहा है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत सालबीज, महुआ, इमली, कोदो, माहुल पत्ता सहित विभिन्न लघु वनोपजों की निर्धारित दरों पर खरीदी की जा रही है। इससे वन आश्रित परिवारों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है और बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई है। राजमोहनी देवी बीमा योजना के अंतर्गत तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों को बीमा सुरक्षा दी जा रही है। सामान्य मृत्यु, दुर्घटना जनित मृत्यु और विकलांगता की स्थिति में सहायता राशि प्रदान की जाती है। इससे जरूरत के समय परिवारों को आर्थिक सहारा मिलता है। इसके अलावा समूह बीमा योजना के तहत परिवार के अन्य सदस्यों को भी सहायता राशि का लाभ दिया जा रहा है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए राहत का माध्यम बन रही है।

तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी आर्थिक सहायता मिल रही है। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए विशेष शिक्षा प्रोत्साहन योजना भी संचालित है, जिससे बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। वनांचल में कार्य करने वाले तेन्दूपत्ता संग्राहकों को हर वर्ष चरण पादुका भी प्रदान की जाती है, ताकि उन्हें काम के दौरान सुविधा मिल सके।

एर्राबोर में सुशासन तिहार का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत एर्राबोर में आयोजित 'सुशासन तिहार' शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और खुशियों का केंद्र बन गया। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त किया।

शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाना था। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान की प्रक्रिया शुरू की। शिविर में विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। वहीं गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और 6 माह के बच्चों का अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित

किया गया। इससे कार्यक्रम में सामाजिक और मानवीय जुड़ाव का वातावरण देखने को मिला।

ग्रामीणों की सुविधा के लिए शिविर में राशन कार्ड ई-केवाईसी, महतारी वंदन योजना ई-केवाईसी, नया आधार कार्ड पंजीयन एवं अपडेट, बी-1 और किसान किताब वितरण तथा एग्री स्टेक पंजीयन जैसी जरूरी सेवाएं भी मौके पर उपलब्ध कराई गईं।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों को कुल 250 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पंचायत विभाग के 165, कृषि विभाग के 22, विद्युत विभाग के 14 तथा राजस्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 11-11 आवेदन शामिल रहे। सभी आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच श्रीमती लक्ष्मी कट्टम, पूर्व सरपंच, पंचगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच विश्वास और सहभागिता को नई मजबूती मिली है।

खास खबर

ट्रेन की चपेट में आने से रिटायर्ड शिक्षक की दर्दनाक मौत

कांकेर। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में मंगलवार तड़के एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। रेलवे पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से सेवानिवृत्त शिक्षक हीरामणि साहू (80) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार और आसपास के लोगों में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के मुताबिक घटना सुबह करीब 5 बजे भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र में हुई। हीरामणि साहू रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे, तभी भानुप्रतापपुर से रायपुर की ओर जा रही ट्रेन अचानक वहां पहुंच गई। ट्रेन की चपेट में आने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि साहू परिवार में हाल ही में शादी समारोह संपन्न हुआ था। घर में खुशियों और उत्सव का माहौल था, लेकिन सुबह आई इस दुखद खबर ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। शादी की रौनक देखते ही देखते मातम में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

खाई में गिरा ऑटो, युवक की मौत

कोरबा। सोमवार को सतरंगा कारीघाट से पिकनिक मनाकर लौट रहे युवकों का ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गया। हादसे में खरमोरा निवासी 20 वर्षीय सत्यम यादव की मौत हो गई, जबकि सात से अधिक युवक घायल हो गए। घायलों में 19 वर्षीय विष्णु कंवर, 22 वर्षीय भवानी कंवर, 23 वर्षीय नीरज कुमार, 20 वर्षीय वासु कंवर सहित अन्य शामिल हैं। सभी को पहले बालको अस्पताल और फिर गंभीर हालत वाले युवकों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। घायल वासु कंवर ने बताया कि ऑटो में करीब 10 लोग सवार थे। सतरंगा मुख्य मार्ग पर पुल के नीचे चालक ऑटो संभाल नहीं सका और वाहन खाई में जा गिरा। हादसे के बाद कुछ युवक ऑटो में दब गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे।मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। जिला अस्पताल चौकी पुलिस को अस्पताल प्रबंधन ने मेमो भेजा है। बालको पुलिस मामले की जांच कर रही है।सभी युवक सिविल लाइन थाना क्षेत्र के खरमोरा बस्ती के रहने वाले हैं। हादसे के बाद पूरे बस्ती में शोक का माहौल है। घायलों को निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचाया गया।

फ्लाइएश ब्रिक्स फैक्ट्री में हादसा, महिला की हुई मौत

कोरबा। एक महिला अपने परिवार चलाने के लिए फैक्ट्री पहुंचती है, लेकिन पहले वहां दिन मशीन की चपेट में आकर उसकी मौत हो जाती है। इस हादसे ने नाबालिग के सिर से मां का साया उठा दिया। मृतिका के परिजनों में मातम पसर गया है। यह पूरी घटना कोरबा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार के दोपहर 3 बजे के आसपास हुई। प्रेम एंटरप्राइजेज राखड़ ईंट फैक्ट्री में महिला मजदूर मशीन की सफाई कर रही थी। घटना के वक्त फैक्ट्री में चार से पांच मजदूर काम कर रहे थे। मृतका भी लंबे समय बाद उसी दिन काम पर लौटी थी। चालू हालत में मशीन साफ करने के दौरान अचानक लीवर नीचे गिर गया और महिला उसकी चपेट में आ गई। मशीन में दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतिका की पहचान 26 साल की बिछनी बाई के रूप में हुई है। मृतका का एक नाबालिग बेटा है। हादसे के बाद ग्रामीणों ने शव उठाने से मना कर दिया। उन्होंने मृतिका के परिवार को उचित मुआवजे की मांग की। वहीं घटना की जानकारी मिलती ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस ने फैक्ट्री संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि मर्ग कायम किया गया है। वहीं आगे की जांच करवाई की जा रही है।

ज्वैलर्स से कर्मचारी ने 2 करोड़ का सोना किया पार लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के सदर बाजार स्थित मनोहरमल एंड कंपनी ज्वैलर्स में कर्मचारी ने ही करीब 2 करोड़ रुपए से ज्यादा के सोने के जेवर पार कर दिए। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित कारोबारी सुरेश भंसाली सदर बाजार में मनोहरमल एंड कंपनी नाम से सोने-चांदी का कारोबार करते हैं। 16 साल पुराने कर्मचारी ने जेवरों को लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रख लिया। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

16 साल से शोरूम में काम कर रहा था आरोपी

कारोबारी ने पुलिस को बताया कि, सूरज साहू नाम का कर्मचारी पिछले 16 साल से उनकी दुकान में काम कर रहा था। आरोपी पर रोजाना डिस्प्ले में रखे गए जेवरों को वापस लॉकर में सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी थी। बताया जा रहा है कि 9 अप्रैल 2026 को दुकान बंद होने के दौरान सूरज साहू ने जेवरों को लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रख लिया। शुरुआत में किसी को इसकी जानकारी नहीं हुई।

स्टॉक मिलान में सामने आई चोरी

13 अप्रैल को स्टॉक मिलान के दौरान सोने के जेवर कम पाए गए। जांच करने पर कुल 1495 ग्राम 670 मिलीग्राम सोना गायब मिला। कारोबारी ने दुकान के सभी कर्मचारियों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं दी। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

सीसीटीवी में जेवर ले जाते दिखा कर्मचारी

फुटेज में शाम करीब 4 बजकर 21 मिनट पर सूरज साहू सोने के जेवर अपने साथ ले जाते दिखाई दिया। गायब हुए सोने में अलग-अलग डिजाइन और किस्म के जेवर शामिल बताए जा रहे हैं। बाजार मूल्य के हिसाब से चोरी गए सोने की कीमत करीब 2 करोड़ रुपए आंकी गई है।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

कोतवाली निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी कर्मचारी सूरज साहू के खिलाफ गबन का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी फरार है। पुलिस की टीमें उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। साथ ही सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है।

अस्पताल में कूलर-फैन नहीं, गर्भवती महिला हुई बेहोश, मरीज के परिजनों का हंगामा

श्रीकंचनपथ न्यूज

डोगरगढ़। भीषण गर्मी के बीच अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही और अव्यवस्था का खामियाजा सबसे ज्यादा गर्भवती महिलाओं और मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।

सोमवार को अस्पताल परिसर में पैथोलाजी जांच के लिए कतार में खड़ी एक गर्भवती महिला अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ी, जिसके बाद मौके पर मौजूद मरीजों और स्वजन का गुस्सा फूट पड़ा।

वर्तमान में अस्पताल की सभी पैथोलाजी जांचों को मुख्य भवन से हटाकर परिसर में बने नए भवन में शिफ्ट कर दिया गया है। यहां व्यवस्थाओं के नाम पर केवल अव्यवस्था नजर आ रही है।

जांच कराने आने वाले मरीजों को पहले भवन के बाहर रजिस्टर में एंट्री के लिए टीन शेड के नीचे लंबी कतार में खड़ा होना पड़ता है। तेज धूप और उमस भरी गर्मी में मरीज घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन उनके लिए न तो बैठने की व्यवस्था है और न ही पंखा या कूलर लगाया गया है।

सबसे ज्यादा परेशानी गर्भवती महिलाओं को हो रही है। उन्हें भी सामान्य मरीजों की तरह लंबी कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है। गर्मी और भीड़ के कारण कई महिलाएं असहज हो रही हैं।

मरीजों का आरोप है कि जहां बाहर मरीज तपती गर्मी में परेशान हो रहे हैं। वहीं काउंटर के अंदर कर्मचारी कूलर और पंखों की ठंडी हवा में आराम से ड्यूटी कर रहे हैं। भगत सिंह चौक निवासी श्रीराज सिंह ने बताया कि वे अपनी गर्भवती पत्नी की जांच कराने अस्पताल पहुंचे थे।

भीड़ इतनी ज्यादा थी कि कतार कई बार टीन शेड से बाहर निकलकर धूप तक पहुंच जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोपहर एक बजे के बाद डाक्टर अस्पताल से गायब हो जाते हैं, जिससे मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है।

सुबह भी डॉक्टर समय पर ओपीडी में नहीं पहुंचते हैं। शिकायत करने पर कर्मचारियों के मरीजों से बदसलूकी किए जाने की बात भी सामने आई है।

बार के बाहर अज्ञात युवकों ने दो भाइयों पर किया हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में शराबियों ने सड़क पर जमकर उत्पात मचाया। पंजाब बार में शराब पीने आए लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो कि हिंसक-झड़प में बदल गया और 3 से 4 अज्ञात युवकों ने दो भाइयों पर हमला कर दिया।

आरोपियों ने बीयर की बोतल से दो भाइयों के सिर पर वार किया, इसके बाद धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। रविवार देर रात की घटना का वीडियो अब सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी एक युवक को घेरकर बेरहमी से मार रहे हैं।

युवक के जमीन पर गिरने के बाद भी आरोपियों ने उसके चेहरे पर कई बार लातें मारीं। इतना ही नहीं उसके पैरों पर बाइक चढ़ाने की भी कोशिश की गई। इस दौरान एक युवक जान बचाने के लिए बार के अंदर भागता हुआ नजर आया, जिसके पीछे आरोपी भी बार के अंदर घुस गए।

रात करीब 11:30 बजे से लेकर 12 बजे तक बार के बाहर जमकर हंगामा और मारपीट होती रही। हालांकि इस मामले में पीड़ितों की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर कर दी गई है। मामला वैशाली नगर थाना क्षेत्र का है।

बड़े के साथ शराब पीने आया था छोटा भाई

दरअसल, ज्ञानेश साहू उर्फ आकाश अपने बड़े भाई आशीष साहू और पप्पू साहू के साथ 18 मई की रात करीब 11:30 बजे पंजाब बार पहुंचे थे। तीनों बार के अंदर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान आशीष साहू कुछ देर के लिए बार के बाहर चला गया।

बाहर किसी बात को लेकर उसका कुछ युवकों से विवाद हो गया। कुछ देर बाद वह भागते हुए वापस बार के अंदर पहुंचा। उसके पीछे 3 से 4 अज्ञात युवक भी बार के अंदर घुस आए और मारपीट करने लगे।अपने भाई को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंचे ज्ञानेश साहू के साथ भी आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। पीड़ितों का आरोप है कि युवकों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और बीयर की कांच की बोतल और धारदार हथियार से हमला कर दिया।

हमले में ज्ञानेश साहू के सिर, हाथ, सीने, पीठ और बाएं पैर में चोटें आई हैं। वहीं आशीष साहू के गले के नीचे और पीठ पर भी गंभीर चोटें आई हैं। घटना के दौरान बार में मौजूद लोगों और आसपास के कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

दोनों घायलों ने पुलिस को बताया कि सामने आने पर वे आरोपियों की पहचान कर सकते हैं। वैशाली नगर थाना पुलिस ने ज्ञानेश की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। वीडियो के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस बोली- आरोपियों की तलाश जारी

इस मामले में भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि पंजाब बार में मारपीट की घटना हुई है। ज्ञानेश और उसके चचेरे भाई आशीष साहू शराब पीने बार गए थे। शराब पीकर बाहर निकलने के दौरान उनका कुछ अज्ञात युवकों से विवाद हो गया।

11 किलो से ज्यादा गांजा, कैश और पल्सर बाइक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के आईआईटी ग्राउंड के पास एक युवक को पुलिस ने गांजा बेचते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक अपने पास रखे 11 किलो गांजा को बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था। इस दौरान खुर्सीपार पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को 11 किलो से ज्यादा गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से गांजा, नगदी रकम और बाइक जब्त की है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 6 लाख 15 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसे किन लोगों तक सप्लाई किया जाना था।

बाइक के साथ खड़ा था युवक 19 मई को

पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक युवक सफेद रंग की बजाज पल्सर एनएस 200 बाइक में गांजा लेकर आईटीआई मैदान के पास खड़ा है और बिक्री करने की फिराक में है। पुलिस ने इसके बाद टीम बनाकर आईटीआई मैदान के पास घेराबंदी की गई। वहां पर युवक पुलिस को मिला।

पूछताछ में उसने अपना नाम सन्नी यादव उर्फसन्नी देवार निवासी देवार मोहल्ला खुर्सीपार बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे पीले-सफेद रंग के थैले की जांच की गई। थैले के अंदर छोटे-बड़े पैकेट में गांजा रखा मिला। जांच में कुल वजन 11 किलो 160 ग्राम गांजा निकला।

पुलिस ने 6 लाख से ज्यादा का माल किया जब्त पुलिस ने गांजा के अलावा आरोपी के पास से 1480 रुपए नगद और एक सफेद रंग की बजाज पल्सर एनएस 200 बाइक भी जब्त की। बाइक के आगे नंबर प्लेट नहीं लगी थी। जब्त गांजा की कीमत करीब 5 लाख 39 हजार रुपए आंकी गई है, जबकि बाइक की कीमत 75 हजार रुपए बताई गई।

कुल जब्ती 6 लाख 15 हजार 480 रुपए की हुई है। पूछताछ में आरोपी गांजा रखने और बेचने से जुड़े कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) और 27(ए) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

बिलासपुर में नौकरी पाने के चक्कर में पैसा गंवा बैठा युवक, किया सुसाइड

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी और प्रताड़ना से तंग आकर युवक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

ठगों के चंगुल में फंसकर अपनी जान गंवाने वाले युवक के लाचार पिता ने अब प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों के चक्कर काटने के बाद थक-हारकर कलेक्टर जनदर्शन में न्याय की गुहार लगाई है।

ग्राम हिरी निवासी रमेश साहू ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनदर्शन में अपनी पीड़ा सुनाई। उन्होंने बताया कि भवानी वैष्णव ने अप्रैल 2025 में बेटे राहुल साहू को रेलवे मेस में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था।

इसके एवज में पीड़ित पिता ने अपनी काश्तकारी भूमि को गिरवी रखकर कुल पांच लाख रुपए नगद आरोपित दंपत्ति को सौंपे थे। आरोपितों ने छह महीने के भीतर नौकरी लगाने का खोखला आश्वासन दिया था।

समय बीतने के बाद जब नौकरी नहीं लगी, तो पीड़ित पक्ष को ठगी का अहसास हुआ। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपित भवानी वैष्णव और उसकी पत्नी ने रुपए लौटाने से साफ मना कर दिया और उल्टा राहुल को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर डराने-धमकाने लगे। आरोपितों की इस लगातार प्रताड़ना और मानसिक तनाव के कारण राहुल साहू ने घर की बाड़ी में कीटनाशक दवा पी ली।

गंभीर हालत में उसे सिम्स हास्पिटल बिलासपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता ने गुहार लगाते हुए ग्राम लिमतरा निवासी पति भवानी वैष्णव और पत्नी अम्बिका वैष्णव पर कार्रवाई करने की मांग की है।

रायगढ़ में नाबालिग छात्रा से रेप, आरोपी शादी का झांसा देकर यूपी ले गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ में नाबालिग छात्रा को शादी का झांसा देकर भगाने और रेप के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पीड़िता को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से बरामद किया। इस मामले में पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को 20 साल के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है।

मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पीड़िता के भाई ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उसकी 16 साल की चचेरी बहन अपनी मां, छोटे भाई और बहन के साथ रहती है। 18 मई 2024 को सुबह करीब 9 बजे स्कूल फार्म भरने जा रही हूं कहकर मोबाइल लेकर अपने घर से निकली थी।

कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई

लेकिन वापस नहीं लौटी। ऐसे में सभी रिश्तेदार आसपास में उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई कि कोई उसे बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान रिश्तेदारों और बाकी लोगों से पूछताछ करते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

मोबाइल लोकेशन से मिली पीड़िता की जानकारी

जांच के दौरान पुलिस को मोबाइल लोकेशन से जानकारी मिली कि पीड़िता अजीत कुमार (23) के साथ उसके घर लोहंदी, थाना-करछना, जिला-प्रयागराज में है। इसके बाद पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पीड़िता को वहां से बरामद किया।

पीड़िता का महिला पुलिस अधिकारी से बयान दर्ज कराया गया, जिसमें पीड़िता ने बताया कि अजीत कुमार ने शादी करने का झांसा देकर घर में 10 दिनों तक शारीरिक संबंध बनाया। पूछताछ में भी आरोपी अजीत ने जुर्म कबूल किया। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

आरोपी को अर्थदंड से भी दंडित किया

मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद पॉक्सो कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र साहू ने आरोपी का दोष सिद्ध पाया। ऐसे में कोर्ट ने आरोपी को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाते हुए 6 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

न्यायालय तहसीलदार भिलाई-3 के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202605101600035

विषय:- अ-6 अ मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026
चरोदा प.ह.न. 00009 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - साथी सेन,
अनावेदक पक्षकार -विकास कुसुम महंती,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सचित किया जाता है कि आवेदक साथी सेन पति मानब सेन निवासी रामनगर नेताजी सुभाष रोड जहाज बिल्डिंग के पास रामनगर भिलाई जो ग्राम चरोदा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. चरोदा तहसील भिलाई 03 जिला-दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 444/30 रकबा 0-032 हे. भूमि के भूमिस्वामी है किंतु आनलाईन रिकार्ड में भूमिस्वामी के नाम में विक्रेता विकास कुसुम महंती पिता -जनार्दन महती का नाम प्रदर्शित हो रहा है उक्त त्रुटि को सुधार करने बावत् आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को उजर आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अधिवक्त/अभिकर्ता के माध्यम से आगामी नियत पेशी दिनांक 11/5/2026 के पूर्व इस कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे। नियत अवधि उपरांत प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/05/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग)

20 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। कलेक्टर के निर्देश एवं सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर दो दिनों में कार्रवाई करते हुए 20 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त किया गया है। अभियान के दौरान आबकारी वृत्त रायगढ़ (उत्तर) की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध रूप से संग्रहित महुआ शराब बरामद की।

जिसमें पहले दिन 17 मई को आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम गेरवानी, थाना पूंजीपथरा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपी शंभु अगरिया के कब्जे से लगभग 10 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की। टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफआबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया।

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान

छत्तीसगढ़ की लखपति दीदियां

संघर्ष से सम्मान तक, आगे बढ़ती बिहान की दीदियां

08 लाख महिलाएं बनीं **लखपति दीदी**

10 लाख अतिरिक्त महिलाओं को **लखपति दीदी** बनाने का लक्ष्य

₹05 करोड़ का **बजट प्रावधान** लखपति दीदियों के व्यावसायिक अनुभव के विस्तार हेतु **लखपति दीदी भ्रमण योजना** की शुरुआत

2.8 लाख स्व-सहायता समूह और **30.85 लाख परिवार** बिहान मिशन से जुड़े

महिलाओं को **प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता** से बनाया जा रहा आर्थिक रूप से **सशक्त**

महिला समूहों को उद्यम के लिए बेहतर जगह उपलब्ध कराने **368 महतारी सदनों** का हो रहा निर्माण

RO-47590/41

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950